माघ पक्ष 12 , 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 212 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 जनवरी 2025 रविवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
12 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आखिर कौन संविधान के साथ खेल रहा ?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

भारत में संविधान को लागू होने के 74 साल पूरे हो गए हैं। देश का संविधान 75वें साल में प्रवेश कर गया है। लेकिन हीरक जयंती के इस मुकाम पर वह कांग्रेस इस संविधान पर खतरा बताकर भाजपा पर हमला कर रही है। भाजपा और अपना दल के कुछ नेता के मुख से निकले संविधान को समाप्त करने और संविधान में प्रदत्त आरक्षण को समाप्त करने जैसी बेफिजूल की बयानबाजी को मुद्दा बनाकर कांग्रेस ने मोदी की भाजपा सरकार को 303 से घटाकर बहुमत के आंकड़े के नीचे यानी 240 पर लाकर खड़ा कर दिया। अब मोदी एनडीए की बैसाखियों पर इसलिए खड़े हैं क्योंकि उनकी सरकार लोकसभा चुनाव के दौरान अपने नेताओं के बदजुबानी के मुद्दे को गंभीरता से नहीं समझ सकी। उसे यह अहसास नहीं हुआ कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने उसे मुद्दा बनाकर इस तरह से ट्रेप में ले लिया है।

बहरहाल भाजपा ने लोगों में संविधान को फैले भ्रम को आगे चलकर न सिर्फ दूर किया बल्कि उलटा कांग्रेस को घेर लिया। लोगों को बताया कि बाबा साहब आंबेडकर के बनाए संविधान के मसौदे में 106 बार संशोधन हुए हैं। इनमें से सर्वाधिक 35 संशोधन तो पंडित जवाहर लाल नेहरू के कार्यकाल में हुए। सबसे विवादित 42 वां संशोधन इंदिरा जी के प्रधानमंत्री रहते हुए 1976 में हुआ। देश में आपातकाल और चुनी हुई राज्य सरकारों को गिराने जैसे संविधान की आत्मा को चोट पहुंचाने वाले काम कांग्रेस की सरकारों ने किए। 42वें संशोधन में भारत को संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य किया गया। 1976 के इस संविधान संशोधन को मिनी संविधान भी कहा जाता है। लेकिन हैरत है कि राहुल गांधी अपने नेहरू- गांधी परिवार द्वारा किए गए बाबा साहब के संविधान को आत्मा को छलनी करने वाले संशोधनों के बावजूद संविधान की लाल किताब लेकर भाजपा की खिल्ली उड़ा रहे हैं।

संविधान में तीन प्रकार से संशोधन हो सकते हैं। पहला प्रकार उन कानूनों में बदलाव से जुड़ा है जो संसद में साधारण बहुमत से किया जा सकता है। दूसरे के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है और तीसरा में दो तिहाई बहुमत के साथ देश के आधे राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी लेना जरूरी है। जाहिर सी बात है कि ये हालात कांग्रेसी सरकार की दौर में तो रहे हैं लेकिन भाजपा के साथ केवल 2014 से 2024 के बीच ही लोकसभा में यह हालात रहे लेकिन राज्यसभा में वह दूसरे दलों के भरोसे ही कुछ कर सकी। संविधान खत्म करने की बात तो कोई भी दल सोच भी नहीं सकता जैसा कि कांग्रेस हाथ में संविधान की किताब लेकर प्रपंच कर रही है। लेकिन इस सनातनी देश में हिंदु समाज ने समय-समय पर अपने में बदलाव किए हैं उसी तरह वक्त के साथ संविधान में संशोधनों की आवश्कता बनीं रहती है जिसके मुताबिक कांग्रेसी सरकारों ने बदलाव किए और भाजपा सहित दूसरे दलों को भी इसमें करने की जरूरत बनी रहती है। गंभीर चिंतन के साथ देश हित और लोक हित में बदलाव बुरे नहीं बर्शते कि संविधान की मूल आत्मा को न बदला जाए।

गणतंत्र दिवस के इस दिन यह बात इसलिए कर रहा हूं कि कांग्रेस-भाजपा सहित दीगर क्षेत्रीय दलों के लिए जरूरी है कि वह संविधान के नाम पर गलतफहमी फैलाने के बजाए विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को और भी परिपक्व बनाने की दिशा में काम करें। लोकतंत्र पुष्ट होगा तभी देश में उसके मूल्यों को सही मायनों में स्थापित करने में मदद मिलेगी। वरना डेमोक्रेसी-डेमोक्रेसी के खेल में राजनीतिक दल केवल हिपोक्रेसी (पाखंड) करते रहेंगे। ●

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। इस अवसर पर 27 जनवरी को 'दोपहर मेट्रो' कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

कर्तव्य पथ पर देश देख रहा है सैन्य ताकत की झलक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ली सलामी

नईदिल्ली। देशभर में गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। वहीं देश की राजधानी दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर हर साल की तरह इस बार भी अपनी सैन्य शक्ति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्र संविधान के लागू होने का 'प्लेटिनम जुबली' भी 26 जनवरी को मनाया जा रहा है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। परेड में इंडोनेशिया का 352 सदस्यीय मार्चिंग और बैंड दस्ता ने भाग लिया। संविधान के लागू होने का 75 साल पूरा होना इस वर्ष समारोहों का मुख्य आकर्षण है, झांकियों का विषय 'स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास' है। परेड में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 16 झांकियां और केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की 15 झांकियां प्रदर्शित की गई।

आज शाम को निवेशक सम्मेलन की तैयारियां का जायजा लेंगे मुख्यमंत्री

दोपहर मेट्रो, भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर में गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत के बाद अपरान्ह चार बजे भोपाल के इदिरा गांधी मानव संग्रहालय प्रांगण में अगले महीने प्रस्तावित वैश्विक सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेंगें। इसके पहले वह इंदौर के बाल विनय मंदिर में मध्यान्ह भोज कार्यक्रम में भाग लेंगे। भोपाल में शाम को वह चूना भट्टी कोलार रोड स्थित बौद्ध विहार में नवमें अंर्तराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में हिस्सा लेंगे। शम पौने सत बजे वह रवींद्र भवन के मुक्तकाश में आयोजित राष्ट्रीय अलंकरण समारोह में भी शरीक होंगे। गणर्तत्र दिवस के मौके पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में भी वो शरीक होंगे।

बाइक सवार ने पैदल जा रहे नाबालिग को टक्कर मारी, दो की मौत

दोपहर मेट्रो, भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित समुंदर नर्सरी के पास बायपास पर शुक्रवार देर रात बाइक सवार ने पैदल जा रहे किशोर को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चला रहे नाबालिग और टक्कर लगने वाले नाबालिग की मौत हो गई, जबकि बाइक पर बैठे दो उसके साथी को गंभीर चोट आई है। एएसआई जावेद खान ने बताया कि नीतेश यादव पिता राजेश यादव (17) रतन कॉलोनी में रहता था और कक्षा 11वीं का छात्र था। नीतेश अपने साथी हर्ष और सुमित के साथ बाइक से मिनाल रेसीडेंसी पहुंचा था। तीनों ने वहां रील बनाई और एक ही बाइक पर सवार होकर छोला मंदिर आने के लिए निकल गए। वे बायपास समुंदर नर्सरी के पास पहुंचे ही थे। इस दौरान रात करीब साढ़े 11 बजे सड़क पार कर रहे आर्य प्रजापति पिता पप्पू प्रजापति (16) गांव माहोली को बाइक से टक्कर लग गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आर्यन की मौके पर ही मौत हो गई। आर्यन दसवीं कक्षा में पढ़ता था।

राजधानी में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने ली सलामी

दोपहर मेट्रो, भोपाल। मध्यप्रदेश में 76 वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। राजधानी के लालपरेट मैदान पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने तिरंगा फहराकर सुयक्त परेड की सलामी ली। इस अवसर पर वे खुली जीप में आमजन का अभिवादन करते हुए दिखाई दिए। परेड में प्रदेश के शौर्य और साहस का प्रदर्शन करते हुए जवानों ने हर्ष फायर किए। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर मुरैना में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा देवास और राजेंद्र शुक्ल रीवा में हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पीसीसी कार्यालय में ध्वज फहराया। इसके बाद वे लोगों से मिले। दतिया के पुलिस परेड ग्राउंड में पुलिस जिप्सी स्टार्ट नहीं होने पर प्रभारी मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कलेक्टर और एसपी के साथ पैदल ही परेड का निरीक्षण किया।

प्रदेश के मुखिया ने इंदौर में फहराया तिरंगा

दोपहर मेट्रो, इंदौर। इंदौर में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ध्वजारोहण किया। समारोह में परेड के साथ विभिन्न विभागों द्वारा राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों पर आधारित झांकियां निकाली गई।

परेड का नेतृत्व परेड कमांडर आईपीएस आदित्य सिंघानिया ने किया। उनका अनुकरण टूआईसी सूबेदार पूजा पाटीदार ने किया। परेड में सीमा सुरक्षा बल (सशस्त्र), आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी विशेष सशस्त्र बल (प्रथम बटालियन), 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, जिला पुलिस (पुरुष) जिला पुलिस बल (महिला) जिला होमगार्ड सशस्त्र, जिला यातायात पुलिस बल, वन विभाग, एनसीसी, शौर्य दल, स्काउट, गाइड, रेडक्रास तथा सृजन दल के प्लाटून शामिल रहे। साथ ही बैंड भी परेड में शामिल रहा। स्कूली बच्चे देश भक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। समारोह में जिले में वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों और संस्थाओं को पुरस्कृत भी किया गया।

गणतंत्र दिवस के मौके पर इंदौर के शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं के छात्रों के में मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत 'विशेष भोज' का आयोजन किया जाएगा। शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर विद्यालय में छात्रों के इस विशेष भोज कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित शहर के प्रमुख राजनेता भी उपस्थित रहेंगे। 26 जनवरी की संध्या पर गांधी हाल में शाम 7 बजे राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'भारत पर्व' का आयोजन किया जाएगा। इसमें शहर के गणमान्य नागरिक व जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

मेट्रो एंकर निवेश के साथ साझेदारी को मिलेगी नई उड़ान

यूके-जर्मनी के बाद अब जापान जाएंगे सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब बनाने का संकल्प आकार लेने लगा है। देश के महानगरों में उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्शन, प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और जर्मनी-यूके में निवेश की अपार सफलता के बाद अब मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कारवां जापान की 4 दिवसीय यात्रा के लिये 27 जनवरी को रवाना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान के टोक्यो, ओसाका और कोबे जैसे प्रमुख शहरों में स्थानीय उद्योगपतियों से म.प्र. में निवेश के संबंध में संवाद करेंगे। साथ ही 24 और 25 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के लिए आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जापान दौरा मध्यप्रदेश से जापान के उद्योगपतियों और औद्योगिक संगठनों को निवेश अवसरों से अवगत कराएगा। भारत-जापान संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

28 जनवरी टोक्यो से शुरूआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 27 जनवरी की शाम इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट नई दिल्ली से टोक्यो के लिए रवाना होंगे। 28 जनवरी को टोक्यो में फ्रेंडस ऑफ एमपी की जापान टीम से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वें एडो गावा सिटी स्थित महात्मा गांधी पार्क पहुँचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित करेंगे। भारतीय दूतावास में आयोजित रोड-शो 'सेलिब्रेटिंग इंडिया-जापान रिलेशनशिप- मध्यप्रदेश' में भाग लेंगे। यहां निवेश और साझेदारी की संभावनाओं पर उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 29 जनवरी को सुबह इम्पीरियल होटल में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग में शामिल होंगे। इसके बाद जापान के प्रमुख उद्योगपतियों और संगठनों से मुलाकात करेंगे, इसके बाद वें ब्रिजस्टोन हेडक्वार्टर्स पहुँचकर उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। 30 जनवरी को कोबे और ओसाका के दौरे के दौरान वे सिस्मेक्स कंपनी के अधिकारियों से मिलकर उनकी साइट का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री 31 जनवरी को जीटूजी एवं बीटूजी मीटिंग में शामिल होंगे। इसके बाद ओसाका से सुबह 7 बजे निकलकर क्योटो पहुँचेंगे।

इंदौर का देश का वेटलैण्ड शहर बनना हमारे लिये गौरव का क्षण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। प्रदेश के नाम एक ओर उपलब्धि तब जुड़ गई जब रामसर कन्वेंशन द्वारा इंदौर शहर को प्रतिष्ठित वेटलैण्ड सिटी घोषित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर की इस उपलब्धि को देश और प्रदेश की उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश के? लिए गौरव का क्षण है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था रामसर द्वारा शनिवार को 31 वेटलैण्ड शहरों की सूची जारी की गई है। इसमें उन शहरों को सम्मानित किया गया है जो अपने वेटलैंडस का संरक्षण करने के साथ-साथ शहरी विकास में भी उत्कृष्ट योगदान देते हैं। इसमें पहली बार देश के 2 शहरों इंदौर और उदयपुर को भी शामिल किया गया है।

देश की पहली वेटलैण्ड सिटी इंदौर: रामसर कन्वेंशन द्वारा शनिवार को दुनिया के 31 शहरों को वेटलैण्ड सिटी के रूप में मान्यता देते हुए घोषणा की है। देश में रामसर द्वारा पहली बार दो शहरों को एक साथ वेटलैण्ड शहर के रूप में मान्यता दी है। इनमें इंदौर और उदयपुर को देश के पहले दो शहरों के रूप में शामिल किया गया है। जारी सूची में शामिल विश्व के अन्य शहर इस प्रकार हैं - अर्जेंटीना के ट्रेलेव, बेल्जियम के मेचेलेन, बोत्सवाना के कसाने-कजुंगुला, शाकावे, चिली के वाल्डिविया, चीन के चोंगमिंग, डाली, फ़ूज़ौ, हांग्जो, जिउजियांग, ल्हासा, सूज़ौ, वेनझोउ, यूयांग, फ़्रांस के एब्बेविल, आर्ल्स, हैम्पिग्नी, ईरान (इस्लामिक गणराज्य) के बाबोल, बंदर किआशर, गैंडोमन, जापान के नागोया शहर, मोरक्को के मेहद्या, फिलीपींस के बलांगा शहर, पोलैंड के पॉज़्नान, कोरिया गणराज्य के गिम्हे, मुंगयोंग, सर्बिया के नोवी साद, स्विटजरलैंड के जिनेवा और जिम्बाब्वे के विक्टोरिया फॉल्स को भी शामिल किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों केन्द्र सरकार द्वारा इंदौर का नाम रामसर कन्वेंशन को प्रतिष्ठित वेटलैंड सिटी के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए नामांकित किया गया था। केन्द्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने बताया कि इससे इंदौर और उदयपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक ब्रांडिंग के रूप में पहचान मिलेगी।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में ठंड ने एक बार फिर जोरदार वापसी की है। सबसे अधिक असर राजधानी भोपाल में देखा गया, जहां अधिकतम तापमान में 6.8 डिग्री की भारी गिरावट दर्ज की गई।

शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 200 से 300 के बीच पहुंच रहा

धूल ने किया नाक में दम, हाफने लगे फेफड़े

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में धूल के गुब्बार और वाहनों के धुएं ने नाक में दम कर रखा है। खराब हवा लेकर फेफड़े हाफ रहे हैं। श्वास रोगी सबसे ज्यादा परेशान हैं तो आम लोगों के स्वास्थ्य पर भी विपरित असर पड़ रहा है। एम्स, जेपी और हमीदिया जैसे अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है। यह स्थिति खराब सड़कों और उनके कच्चे किनारों से उड़ने वाली धूल के कारण बन रही है। रही कसर वाहनों पर दौड़ रहे कंडम वाहनों द्वारा छोड़ा जा रहा धुंआ पूरी कर रहा है। इसके अलावा भी हवा में धीमा जहर घोलने वाले कई कारण है, जो कम होने की बजाए बढ़ते जा रहे हैं। भोपाल शहर में इन कारणों का वैज्ञानिक आधार पर अध्ययन करके पता लगाया ज चुका है। लेकिन नियंत्रण के प्रयास अभी भी कमजोर है।

यहां फेल हो रहा निगम व जिला प्रशासन

- केंद्र ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु गुणवत्ता कार्यक्रम के तहत शहरों में किए जाने वाले कामों की स्पष्ट गाइडलाइन दी है, उसके तहत शहर में 100 फीसद सड़कों को पक्का करना था, यह काम नहीं हुआ।
- पूर्व से मौजूद सड़कों का मेंटेनेंस ऐसा करना था कि वे बार–बार उखड़ें न, इसकी जगह हुआ यूं कि सड़कें हर दो से 6 महीनें में उखड़ रही है।
- पक्की सड़कों के किनारे कच्चे है, उन पर पेविंग ब्लॉक लगाने थे, यह काम वीआईपी क्षेत्रों में पूरा हुआ, लेकिन घनी आबादी और 90 फीसद सड़कों के किनारे छोड़ दिए गए।
- शहर में हरित आवरण बढ़ाना था, इसकी जगह विकास कार्यों का हवाला देकर लगातार वनों को उजाड़ा जा रहा है।
- पुराने वाहनों को पूरी तरह बाहर करना था, जांच अभियान तेज करना था इसकी जगह दूसरे राज्यों से पुराने वाहन खरीदे जाकर भोपाल की सड़कों पर खूब दौड़ रहे हैं।
- वाहनों द्वारा छोड़े जाने वाले धुएं की जांच के लिए जगह–जगह पीयूषी केंद्र व चलित यूनिटें बढ़ानी थी, इनकी संख्या गिनी–चुनी है, कोई जांच भी नहीं कराते। पेट्रोल पंप पर इनकी स्थापना कागजों से बाहर नहीं आई।
- खुले में किए जाने वाले सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगाई जानी थी, उन्हें 100 फीसद कवर्ड में किया जाना था, इसकी जगह 95 फीसद कामों को कवर्ड नहीं किया गया। यहां से निकलने वाली धूल वातावरण में फैल रही है।
- धूल एकत्रित करने वाली मशीनों की संख्या बढ़ानी थी, यह भी नहीं किया गया। कचरा व पराली जलाने की घटनाओं को रुकवाया जाना था, दोनों पर नियंत्रण नहीं है।

पक्की सड़क के किनारे घास की पट्टी से रोकेंगे प्रदूषण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पीडब्ल्यूडी की सड़कों को धूल मुक्त करने के लिए विभाग अपनी सड़कों के किनारे करीब दो फीट की घास की पट्टी यानी ग्रेजिंग कराएगा। इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने सर्वे शुरू किया गया है, ताकि पता चले कहां इसे विकसित किया जा सकता है। एक सप्ताह में रिपोर्ट तैयार की जाएगी। विभाग का मानना है कि पक्की सड़क के किनारे कच्ची जगह पर ग्रेजिंग वाहनों से उड़ते धूलकणों को सोखकर प्रदूषण घटाएगी। विदेशों में ग्रेजिंग आम है। भोपाल में नर्मदापुरम रोड बीआरटीएस किनारे इसे देखा जा सकता है। सड़क किनारे घास पट्टी के लिए स्थानीय जलवायु और मिट्टी के अनुसार टिकाऊ और कम पानी की आवश्यकता वाली घास चुनें, जैसे बरमुडा ग्रास, दूब घास, या वेटिवर ग्रास। घास को पतली पट्टियों में लगाएं, जिससे वाहनों की एग्जॉस्ट और धूल आसानी से अवशोषित हो सके। इसकी नियमित सिंचाई और कटाई करें। अधिकारियों ने बताया कि अभी सर्वे कर रहे हैं। स्थिति सामने आएगी तभी स्पष्ट होगा कि कहां ग्रेजिंग की जा सकती है।

क्लाइमेट एक्शन प्लान

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कई जगह ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट्स के तहत सड़क किनारे हरियाली विकसित की है। राज्य सरकारें भी स्मार्ट सिटी और क्लाइमेट एक्शन योजनाओं के तहत यह उपाय लागू कर रही हैं। इससे न केवल प्रदूषण कम होता है, बल्कि सड़कों का सौंदर्य भी बढ़ता है और पर्यावरण संतुलन में सुधार होता है। घास की पट्टी हवा में उड़ने वाली धूल और मिट्टी के कणों को अवशोषित करती है, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है। सड़क पर चलने वाले वाहनों से निकलने वाले छोटे-छोटे कण पीएम 2.5 और पीएम 10 को रोकने में यह प्रभावी है। बारिश के दौरान घास की पट्टी पानी के बहाव को धीमा करती है, जिससे मिट्टी का कटाव नहीं होता है। घास और पौधे शोर को अवशोषित करते हैं। अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करके वातावरण की गुणवत्ता सुधारते हैं। सड़कों के आसपास के क्षेत्र का तापमान कम करने में मदद करती है। यह वर्षा जल को जमीन में रिसने में मदद करती है, जिससे जल स्तर बेहतर होता है।

नए कोर्स शुरू होने से फोरेंसिक जांच में प्रदेश की बढ़ेगी धाक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करने के लिए सरकार ने एक और कदम बढ़ाया है। नेशनल फोरेंसिक यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में अब अत्याधुनिक पाठक्रम भी शुरू किए जाएंगे। इससे क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञ बढ़ेंगे और पेचीदा मामलों को सुलझाने में भी प्रदेश की धाक बढ़ेगी। विवि बनाने का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक और तकनीकी शिक्षा देना भी है, जिससे आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा कर सकें। राजधानी में भौंरी क्षेत्र के बरखेड़ा बोंदर में 27 एकड़ में स्थापित होने वाली एनएफएसयू आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनेगी। बता दें, बिल्डिंग निर्माण के लिए पहले चरण में 120 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। यहां 2025-26 सत्र से डिजिटल फोरेंसिक, साइबर सिक्योरिटी जैसे विषयों में अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स शुरू किए जाएंगे।

मेट्रो एंकर दिल की गति को नियंत्रित करने वाला कैटेकोलामाइन रिलीज होता है

नए शोध में खुलासा: सड़न कॉर्डियक अरेस्ट के बढ़ते मामलों की वजह हार्मोन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सडन कॉर्डियक अरेस्ट के बढ़ते मामलों की वजह दिमाग से दिल में उतर रहा एक हार्मोन भी जिम्मेदार है। नए शोध के मुताबिक दिल की गति को नियंत्रित करने वाला कैटेकोलामाइन हार्मोन जब ज्यादा रिलीज हो जाता है तो धड़कनों को रोक देता है और मौत का कारण बनता है। एम्स दिल्ली में हुए अंतरराष्ट्रीय फार्माकोलॉजी सम्मेलन में बताया गया कि अब इसके लिए दवा की खोजी जा रही है ताकि इससे बचा जा सके। भोपाल के चिकित्सकों ने बताया कि यहां हार्ट एक्सपर्ट डॉ. एनएस ढल्ला ने जानकारी दी कि कीमोथेरेपी से भी हार्ट की समस्या पैदा होती है। जो आगे चल कर हार्ट से जुड़े रोगों का कारण बनती है। देखा गया है कि 80 फीसदी कैंसर रोगियों की मौत हार्ट डिजीज के कारण होती है। इसका मुय कारण कैंसर के इलाज के लिए दिया जाने वाले ट्रीटमेंट का साइडइफेक्ट है। अब जल्द इन दोनों समस्याओं को कम करने के लिए नई दवाएं आएंगी। इनकी खोज की जा रही है।

कैटेकोलामाइन हार्मोन के कार्य: हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करना श्वसन दर को नियंत्रित करना तनाव और डर की प्रतिक्रिया में शामिल होना, पुरस्कार, आनंद, और सीखने की प्रक्रिया में शामिल होना, व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करना

दिल की गति को नियंत्रण करता है यह हार्मोन, ज्यादा रिलीज होने से होती है मौत: सडन कॉर्डियक अरेस्ट के लिए कैटोकोलामाइन हार्मोन मौत का जिम्मेदार है।

फीसदी कैंसर मरीजों की मौत: एड्रेनालाईन- यह हार्मोन तनाव, डर, और उत्तेजना की स्थिति में रिली? होता है। यह हृदय गति, रक्तचाप, और श्वसन दर को बढ़ाता है। नॉरएड्रेनालाईन- यह हार्मोन तनाव, डर, और उत्तेजना की स्थिति में भी रिलीज होता है। यह हृदय गति, रक्तचाप, और श्वसन दर को बढ़ाता है।

डोपामाइन: यह हार्मोन पुरस्कार, आनंद, और सीखने की प्रक्रिया में शामिल होता है। यह हार्मोन व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

जोनल प्लान नहीं बने-जेडओ के भरोसे चल रहीं हैं जोनल एरिया की पार्किंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के 18 लाख वाहनों की पार्किंग के लिए नगर निगम भोपाल ने तीन तरह के मॉडल लागू किए हुए हैं। इसके बावजूद यह वाहन सड़क पर खड़े हो रहे हैं। यहां इनके चोरी होने का खतरा बना रहता है। यह हाल तब है जब नगर निगम भोपाल शहर में मल्टी लेवल पार्किंग कॉन्ट्रैक्ट पार्किंग एवं प्रीमियम पार्किंग का संचालन कर रहा है। कमर्शियल प्रापर्टी का नक्शा पास करते वक्त अंडर ग्राउंड पार्किंग स्लॉट बनाने जरूरी हैं लेकिन बिल्डिंग परमिशन सेल से सेटिंग कर प्रायवेट डेवलपर ये खर्च भी बचा लेते हैं। नतीजा कॉपलेक्स के सामने की सड़क ही पार्किंग बन जाती है। समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने शहर के 21 जोन के हिसाब से जोनल पार्किंग प्लान बनाने का प्रस्ताव तैयार किया था लेकिन इस पर कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। वर्तमान में जोनल अधिकारियों के भरोसे जोनल एरिया पार्किंग संचालित की जा रही हैं, जहां मनमानी वसूली का खेल धड़ल्ले से जारी है। पार्किंग का नया एक्शन प्लान बनाने पर विचार किया जा रहा है। नगर परिषद की बैठक में इस विषय पर पार्षदों ने जो सुझाव दिए हैं उसके मुताबिक योजना बनाने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

महानगरों में यह प्रयोग किए

मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद जैसे बड़े महानगरों में पार्किंग के लिए जोनल एक्शन प्लान तैयार किए हैं। शहर को अलग-अलग जोन और ट्रैफिक लोड के हिसाब से वर्गीकृत कर पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं। शहर के सभी प्रमुख बाजार में पार्किंग स्थल के लिए खुले स्थानों पर जगह चिह्नित की गई हैं। मल्टीलेवल मॉडल को कड़ाई से लागू किया। भोपाल में ऐसा नहीं है यहां मल्टी लेवल पार्किंग बनने के बावजूद नगर निगम ने ही न्यू मार्केट जैसे पॉश इलाके में प्रीमियम पार्किंग का टेंडर जारी कर दिया है। विजय स्तंभ न्यू मार्केट, मछली मार्केट इतवारा, सदर मंजिल शीश महल पार्किंग, ओल्ड बिजली घर, होटल हिल्टन किंग मोती मस्जिद, इंडियन कॉफी हाउस लिंक रोड नंबर 1, बिट्टन मार्केट वाइन शॉप, 56 भोग के सामने 10 नंबर मार्केट, जोहरी बंधु के सामने नगर पार्किंग, मानसरोवर कांप्लेक्स के सामने, पुराने आरटीओ परिसर के सामने

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
24-25 फरवरी 2025, भोपाल
अनंत संभावनाएँ
76 वें
गणतंत्र दिवस
की प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
संवैधानिक मूल्यों के साथ
मध्यप्रदेश का चौतरफा विकास
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (GYAN) समाज के इन चार स्तंभों के सशक्तिकरण की मजबूत बुनियाद पर मध्यप्रदेश छुएगा विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयां
गरीब कल्याण मिशन के माध्यम से प्रदेश के गरीब और वंचितों को मिलेंगे आगे बढ़ने के हर संभव अवसर। वर्ष 2028 तक प्रदेश बनेगा गरीबी मुक्त।
स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोज़गार और नेतृत्व क्षमता विकास से सुनिश्चित करेगा युवाओं का सशक्तिकरण।
देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन महिलाओं के शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करेगा।
किसान कल्याण मिशन के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय वृद्धि के साथ ही कृषि को अधिक लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए समर्पित है।
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11167/24

रोचक: समाज को अपने हुनर से राह दिखाने वाली ये हस्तियां सर्वोच्च सम्मान पाने के कैसे बनी हकदार

'पद्म विभूषण' असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। इस साल 7 विभूतियों को पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार दिए जाने हैं। पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाओं के नाम भी शामिल हैं। इस साल विदेशी/ एनआरआई/ पीआईओ/ ओसीआई श्रेणी के 10 व्यक्तियों और 13 हस्तियों को मरणोपरांत पद्म पुरस्कार दिए जाएंगे।

आजादी की बुलंद आवाज

सौ साल की स्वतंत्रता सेनानी लीबिया लोबो सरदेसाई ने 1955 में गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने और लोगों में आजादी की अलख जगाने के लिए जंगल में भूमिगत रेडियो स्टेशन वोज दा लिबरदाद यानी स्वतंत्रता की आवाज चलाया। 1954-55 में जब पुर्तगालियों ने कई सत्याग्रहियों की जान ले ली, तब बॉम्बे में छिपकर रह रहीं लोबो ने साथियों संग गोवा से 100 किमी दूर अंबोली घाट के जंगलों से रेडियो प्रसारण शुरू किया। 17 दिसंबर, 1961 को इस स्टेशन ने भारत के तत्कालीन रक्षा मंत्री वीके कृष्ण मेनन का सीधा संदेश प्रसारित किया, जिसमें पुर्तगाली गवर्नर जनरल को आत्मसमर्पण करने को कहा गया। 19 दिसंबर, 1961 को गोवा मुक्त हुआ तो लोबो ने भारतीय वायु सेना के विमान से पर्चे गिराते हुए गोवा की आजादी का एलान किया।

खाड़ी में योग का चेहरा

कुवैत की योग शिक्षिका शैखा एजे अल सबा खाड़ी में योग का चेहरा हैं। 48 वर्षीय सबा उन्होंने अपने देश में योग शिक्षा लाइसेंस की शुरुआत की और योग स्टूडियो दरातमा की स्थापना की। पारंपरिक साधनों एवं आधुनिक तकनीकों का समन्वय कर खाड़ी क्षेत्र में योगाभ्यास का प्रचार किया और योग को वैश्विक पहचान दिलाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। 2021 में यमनी शरणार्थियों और आंतरिक रूप से विस्थापितों की सहायता के लिए फंड इकट्ठा करने वाली संस्था योमनक लिल यमन की शुरुआत की। 2020 में महामारी के दौरान कुवैत में गरीब बच्चों को शैक्षणिक सामग्री की आपूर्ति की।

जोनास मसेटी - ब्राजील के वेदांत गुरु, डेढ़ लाख छात्रों को दी शिक्षा

मैकेनिकल इंजीनियर मसेटी (43) रियो दि जेनेरियो के पास स्थित पेट्रोपोलिस की पहाड़ियों पर विश्व विद्यार नामक संस्था चलाते हैं। 2014 में स्थापित इस संस्था में वह सैकड़ों छात्रों को गीता, वेदांत के साथ ही संस्कृत और वैदिक संस्कृति की शिक्षा देते हैं। इंजीनियरिंग करने के बाद मसेटी का रुझान भारतीय संस्कृति की ओर हुआ, तो उन्होंने कोयंबतूर स्थित आर्ष विद्या गुरुकुलम में विधिवत भारतीय संस्कृति, वेदांत और हिंदू विचारों की शिक्षा-दीक्षा ली। उन्हें विश्वनाथ के नाम से भी जाना जाता है। मसेटी पॉडकास्ट, यूट्यूब के जरिये पिछले 7 सालों में डेढ़ लाख से भी ज्यादा छात्रों को भारतीय ग्रंथों और वेदांत के बारे में शिक्षा दे चुके हैं।

भीम सिंह भवेश- नई आशा से मुसहर समाज के बने मसीहा

पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाओं के नाम भी शामिल

देश के सर्वोच्च अलंकरणों के लिए कला, साहित्य-शिक्षा, खेल, चिकित्सा और सामाजिक कार्य से जुड़ीं 139 शख्सियतों को चुना गया है। इनमें गोवा स्वतंत्रता आंदोलन की सेनानी 100 साल की लीबिया लोबो सरदेसाई हैं, तो कुवैत की योग प्रिशिक्षक शेखा एजे अल सबा भी शामिल हैं। 76वें गणतंत्र दिवस से पहले भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की घोषणा की गई। इस साल पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से नवाजी जाने वाले 139 हस्तियों में कई ऐसी हैं जिन्हें गुमनाम नायकों के रूप में जाना जाता है। इस साल 100 वर्षीय महिला को भी सम्मानित किया जाना है। जानिए कौन से ऐसे गुमनाम नायक हैं जिन्हें पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया जाना है। कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए ये सम्मान हर साल दिए जाते हैं।

भीम सिंह भावेश (61) पेशे से पत्रकार हैं। पिछले 22 वर्षों से वे अपनी संस्था नई आशा के माध्यम से इस वंचित समुदाय की शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में सुधार के लिए काम कर रहे हैं। भीम सिंह ने भोजपुर और बक्सर जिलों में 100 से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए, जिससे मुसहर समुदाय को स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हुईं। भोजपुर जिले के 13 प्रखंडों में किए गए उनके कार्यों के परिणामस्वरूप 8,000 से अधिक मुसहर बच्चों को सरकारी स्कूलों में नामांकित किया गया। उन्होंने समुदाय के बच्चों तक शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के लिए एक पुस्तकालय भी स्थापित किया है।

नीरजा भाटला- सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन के लिए जी जान से जुटीं

प्रोफेसर नीरजा भाटला (65), एम्स नई दिल्ली में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रमुख हैं। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम व अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। प्रोफेसर भाटला पिछले 35 साल से सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन के लिए काम कर रही हैं। इसके अलावा उन्होंने मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के खिलाफ टीकाकरण की प्रभावकारिता और कम लागत वाले एचपीवी परीक्षणों के विकास के लिए भी कार्य किया है। उनके शोध कार्य ने एचपीवी जांचने और टीकाकरण कार्यान्वयन में राष्ट्रीय और वैश्विक प्रभाव डाला है। उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

पी दच्चनामूर्ति-संगीत थलाइवा

दक्षिण भारतीय संगीत थविल में विशेषज्ञता हासिल करने वाले वाद्यवादक पी दच्चनामूर्ति (68) पांच दशकों से इस विधा को उन्नत कर रहे हैं। अब तक 1500 से ज्यादा कार्यक्रमों में प्रस्तुति दे चुके हैं। उनके प्रशंसक दुनियाभर में हैं। थविल संगीत विरासत को सहेजने के लिए वह नई पीढ़ी को भी इस बारे में शिक्षित करने में जुटे हैं।

एल हांगथिन- फल उगाने के महारथी

नगालैंड के फल विक्रेता एल हांगथिन (58) 30 वर्षों से फलों की गैर-देसी नस्लों जैसे लीची, संतरा शरीफा, चीकू उत्पादन के महारथी हैं। उन्होंने नगालैंड के 40 गांवों के 200 से अधिक किसानों को गैर-देसी नस्लों के फलों की खेती के लिए नई तकनीक के प्रति जागरुक किया।

हरिमन शर्मा- सेब सम्राट

हिमाचल प्रदेश के हरिमन शर्मा कम ठंड में होने वाली सेब की वैरायटी एचआरएमएन-99 विकसित करने वाले पहले किसान हैं। उन्होंने अपनी संस्था नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के जरिये दुनियाभर में इस नस्ल के 14 लाख पौधे लगाए हैं। उन्होंने एक ही खेत में सेब, आम, अनार, लीची, खुमानी, कीवी का उत्पादन भी किया।

ह्यू व कोलीन दंपती बने मिसाल

पर्यटन ब्लॉगर एवं दंपती ह्यू और कोलीन गैंटजर ने पांच दशक तक भारत में पर्यटन पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान दिया। कोलीन का निधन हो चुका है। इस दंपती ने मिलकर 30 किताबें और 30 हजार से अधिक लेख, कॉलम व मैगजीन फीचर लिखे। भारत की संस्कृति पर गहरी अंतदृष्टि पेश की।

भैरू सिंह भजन से नशामुक्ति

लोक गायक भैरू सिंह चौहान (63) 5 दशक से निर्गम भक्ति से जुड़े भजन के लिए समर्पित किए। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छह हजार से अधिक प्रस्तुतियों से वे निर्गम भजन और मालवा की संस्कृति के प्रचार में उल्लेखनीय योगदान दे रहे है। भजनों के जरिये समाज सुधार, नैतिक शिक्षा के प्रसार, नशामुक्ति, महिला शिक्षा के उत्थान में जुटे हुए हैं।

नशा मुक्ति की नायिका

अरुणाचल की जुमदे योमगाम गामलिन तीन दशकों से नशा मुक्ति अभियान में जुटी हैं। उन्होंने मदर्स विजन संस्था स्थापित कर 30 बिस्तरों वाला नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र खोला।

मानवतावादी होम्योपैथ

महाराष्ट्र के दृष्टि बाधित होम्योपैथिक डॉक्टर विलास डांगरे 50 साल से गरीबों का किफायती कीमत पर इलाज कर रहे हैं। वे त्वचा और दिमागी बीमारियों के विशेषज्ञ हैं।

वेंकप्पा अंबाजी सुगतेकर घुमंतू गुरु

कर्नाटक के गोंधली लोक गायक घुमंतू गुरु वेंकप्पा अंबाजी सुगतेकर (81) को गायन व कहानी कहने की शैली के चलते गोंधली का भीष्म कहा जाता है। वह 1000 से अधिक गोंधली गाने गा चुके हैं। 150 से अधिक गोंधली कहानियां सुना चुके हैं।

बतूल बेगम- राम भजन से पहचान

राम भजन से सद्भाव बिखेरती बतूल बेगम की पहचान भजन बेगम बन गई है। मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखने वाली जयपुर की बतूल पांच दशक से भगवान राम और गणपति के भजन गाती आ रही हैं। भजन के साथ-साथ वह मुस्लिम मांद भी गाती हैं। लोकगायन के अलावा वह ढोलक और तबला बजाने में भी पारंगत हैं। इसके साथ ही वह लड़कियों को शिक्षा के प्रति भी प्रेरित करती हैं।

बिबेक देबरॉय - नीति निर्माण में रही अहम भूमिका

अर्थशास्त्री डॉ. बिबेक देबरॉय ने देश के नीति निर्माण में अहम भूमिका निभाई। मरणोपरांत पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित देबरॉय 2017 से प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष थे। वह वित्त मंत्रालय की अमृत काल के लिए बुनियादी वर्गीकरण और वित्तपोषण ढांचे की विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष भी थे। देबरॉय ने खेल सिद्धांत, आर्थिक सिद्धांत, आय और सामाजिक असमानताओं, गरीबी, कानून सुधार, रेलवे सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महामंडलेश्वर ममता बाई के हाथों में धर्म-ध्वजा

● राकेश अचल

हिंदुत्व पर खतरों को लेकर हमेशा फिक्रमंद रहने वाले आरएसएस और भाजपा को अब बेफिक्र हो जाना चाहिए ,क्योंकि अब हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए खूबसूरत फिल्म अभिनेत्री सुश्री ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर बनकर धर्म ध्वजा उठा ली है। ममता के सन्यासी बनने और सीधे महामंडलेश्वर बनने से मेरी समझ में आ गया है कि हमारे सनातनी हिन्दू धर्म में सब कुछ बनना उतना जटिल नहीं है जितना दुनिया वाले समझते हैं। यहां आप जब चाहे अपना महिमा मंडन करा सकते हैं और महामंडलेश्वर की पदवी हासिल कर सकते हैं।

हिन्दू धर्म में ठेका प्रथा बहुत पुरानी है। भाजपा केपास तो हिन्दू धर्म का ठेका 1980 में जन्म के साथ आया था। महाकुम्भ में इस समय हिन्दू धर्म की रक्षा करने वाले 14 अखाड़े मौजूद हैं ,जिस्मने से सबसे नए किन्नर अखाड़े को अभी तक अखाडा परिषद ने अधिमान्यता नहीं दी है ,लेकिन इसी अखाड़े ने ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बना दिया है। हालाँकि महामंडलेशवर बनना इतना आसान काम नहीं है जितना ममता के लिए इसे कर दिया गया। महामंडलेश्वर बनने से पहले सन्यासी की को थानापति ,कोतवाल,कोठरी,भंडारी और कारोबारी बनना पड़ता है ,जो ममता को नहीं बनना पड़ा।

मेरी अल्प जानकारी के मुताबिक नागा परम्परा में साधु-संतों की मंडलियां चलाने वालों को मंडलीश्वर कहा जाता था। 108 और 1008 की उपाधि वाले संत के पास वेदपाठी विद्यार्थी होते थे। अखाड़ों के संतों का कहना है कि ऐसे महापुरुष जिन्हें वेद और गीता का अध्ययन हो, उन्हें बड़े पद के लिए नामित किया जाता था। पूर्व में शंकराचार्य अखाड़ों में अभिषेक पूजन कराते थे, वैचारिक मतभेद के बाद यह काम महामंडलेश्वर के जिम्मे हो गया। अखाड़ों ने अपने महामंडलेश्वर बनाना शुरू कर दिए।

कायदे से महामंडलेश्वर वो ही बन सकता है जो साधु संन्यास परंपरा से हो।वेद का अध्ययन, चरित्र, व्यवहार व ज्ञान अच्छा हो। और अखाड़ा कमेटी उसके निजी निजी जीवन की पड़ताल से संतुष्ट हो।सब कुछ सामान्य होने के बाद संन्यासी का विधिवत पट्टकाभिषेक कर महामंडलेश्वर पद पर अलंकृत किया जाता है। फिर महामंडलेश्वर के बीच आपसी सहमति से आचार्य के पद पर अलंकृत किया जाता है। इसके बाद अखाड़े की सारी गतिविधियां आचार्य महामंडलेश्वर के हाथ संपन्न कराई जाती हैं।ममता के लिए ये सब शॉर्टकट से हो गया।

मुझे ममता के महामंडलेश्वर बनने से कोई आपत्ति नहीं है। मै तो चाहता हूँ कि फिल्म जगत की ही नहीं बल्कि राजनीति की तमाम हस्तियों को इसी तरीके से धर्मध्वजाएं उठाना चाहिए ,लेकिन कहने वाले कहाँ चूकते है। वे तो कहेंगे ही कि ममता जी का सन्यास ठीक वैसा ही है, जैसे कोई बिल्ली सौ-सौ चूहे खाकर हज करने चली जाये। ममता जी के ऊपर ये कहावत लागू होगी या नहीं ,मुझे नहीं पता, किन्तु मुझे इतना याद है कि ममता जी के फ़िल्मी कैरियर में अभिनेता ही नहीं डॉन भी आये। वे विवादों से घिरी रहीं। लेकिन पिछले दो दशक से उनकी कहीं कोई चर्चा नहीं थी। इसलिए लगता है कि उन्होंने अपने आपको सचमुच बदल लिया है।

देश में 144 साल बाद के इस महाकुम्भ का यदि सबसे बड़ा हासिल कुछ है तो वो ममता कुलकर्णी का सन्यासी बनना है। मुझे लगता है कि असंख्य नागाओं के प्रमुख जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद जी भी ममता कुलकर्णी की एन्ट्री से गदगद होंगे और आने वाले दिनों में पंच तपोनिधि निरंजनी, पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी, अटल अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, पंच अग्नि अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, आवाहन अखाड़ा भी ममता कुलकर्णी को अपने साधु कुल में समाहित कर लेगा।

महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी बड़ी ही छुपी रुस्तम निकलीं । उन्होंने अपने सन्यास को ; सेंसर करके रखा। उनके सन्यास के बारे में जानेजिगर भी नहीं जान पाए और वे चाइना गेट से होते हुए किला पर कर क्रन्तिकारी बन गयीं। उनका जीवन युद्ध उनका नसीब हमेशा बेकाबू रहा। उन्होंने बाजी मरी और सबसे बड़ा खिलाड़ी बन गयीं। उन्होंने कोई आंदोलन नहीं किया,कोई कारण-अर्जुन उनके जीवन में नहीं आया। उनके अहंकार उनकी किस्मत ने उन्हें गैंग स्टर बना दिया। उनके वादे-इरादे बेताज बादशाह बने रहे। वे क्रांतिवीर हैं। उन्होंने अनोखा प्रेम युद्ध भी किय। सन्यास लेने से पहले उन्होंने तिरंगा भी उठाया और वे आशिक आवारा भी रहीं। उनके जीवन में अनेक भूकंप भी आये। वे वक्त हमारा है समझती रहीं ,लेकिन हमेशा रहीं अशांत ही।

मुझे अपने अनुजवत मित्र गुप्तेश्वर पण्डे की किस्मत को लेकर बड़ी चिंता होती है । वे बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक रहे । उन्हें बिहार का राबिनहुड कहा जाता रहा । वे सियासत की और उन्मुख हुए लेकिन मोहभंग होते ही साधू बन गए। पांडे जी कहने को जगदुरु रामानुजाचार्य आचार्य गुप्तेश्वर जी महराज , हैं लेकिन उनके जगदुरु बनने का वैसा हल्ला नहीं हुआ था जैसा कि ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने का हुआ।

चलते-चलते आपको बता दूँ कि महामंडलेश्वर सुश्री ममता कुलकर्णी फिल्मों को छोड़ने के साथ-साथ ममता भारत छोड़ केन्या में बस गई थीं. इसके बाद ममता कुलकर्णी का नाम 2016 में ड्रग्स केस में भी सामने आया था। हालांकि, इस साल अगस्त में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें राहत देते हुए मामले में क्लीन चिट दे दी थी। आरोपों से मुक्त हो चुकी ममता हाल ही में 24 साल बाद भारत लौटी और चुपचाप सन्यासी बन गयी। उनका गैंगस्टर विक्की गोस्वामी के साथ नाम भी जुड़ा लेकिन वे कहतीं हैं की विक्की उनके पति नहीं है। जो भी हो महामंडलेश्वर ममता जी का धर्म क्षेत्र में स्वागत कीजिये। उनसे ज्ञान लीजिये।

(यह लेखक के अपने विचार है।)

75 साल में कितना बदला संविधान

भारत आज यानी 26 जनवरी को अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस मौके पर पूरे देश में जश्न का माहौल है। दरअसल, इसी दिन 1950 में देश का संविधान अस्तित्व में आया। तबसे लेकर अब तक इसमें कई बदलाव किए जा चुके हैं। अगर आंकड़ों से ही समझा जाए तो भारत का संविधान 75 साल से कुछ संशोधनों के साथ भारत का मार्गदर्शन करने वाला दस्तावेज बना हुआ है। भारत के मूल संविधान की आठ अनुसूचियों में 395 अनुच्छेदों को जगह दी गई थी। इसकी सबसे अहम विशेषताओं में सभी के लिए बाध्य मौलिक अधिकार और बाध्यकारी निदेशक सिद्धांत शामिल थे। दुनिया के इतिहास में शायद ही किसी देश के संविधान के निर्माण के लिए इतनी गहराई से चीजों को समझा गया। आइये जानते हैं कि भारत में कौन से संशोधन अब तक सबसे अहम रहे हैं और इनके विषय क्या-क्या रहे हैं। इनमें से किन संशोधनों ने भारत के संविधान पर सबसे ज्यादा असर डाला है।

कब हुआ- 27 अप्रैल 1955- इससे क्या बदला?
यह संशोधन, सरकारी एजेंटों द्वारा अनुचित तलाशी और जब्ती से लोगों की रक्षा करता है. इसके तहत, किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति की तलाशी और जब्ती से पहले वारंट लेना जरूरी है। इसके जरिए ही राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हित में देश के खनिज और तेल संसाधनों पर नियंत्रण तय किया गया।

नौवां संविधान संशोधन

कब हुआ- 28 दिसंबर 1960- इससे क्या बदला?
भारत-पाकिस्तान के बीच 1958 में हुए समझौते के तहत भारतीय क्षेत्र का पुनर्निर्धारण।

17वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 20 जून 1964- इससे क्या बदला?
संविधान के नौवें भाग में संपत्ति के अधिग्रहण को वैध करार दिया गया और जमीन अधिग्रहण कानून को लाया गया।

25वां संविधान संशोधन

कब हुआ - 8 दिसंबर 1971- इससे क्या बदला?
शासन की तरफ से निजी संपत्ति लिए जाने की स्थिति में मुआवजे और संपत्ति के अधिकार पर कुछ पाबंदियां लगाई गई।

31वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 17 अक्तूबर 1973- इससे क्या बदला?
संसद में सीटों की संख्या बढ़कर 525 से 545 की गई। नई सीटों का पूर्वोत्तर भारत में बने नए राज्यों को दिया गया।

39वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 10 अगस्त 1975- इससे क्या बदला?
इलाहबाद हाईकोर्ट के प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लोकसबा में चुने जाने को अवैध ठहराने के फैसले को पलटने के लिए संविधान में संशोधन। प्रधानमंत्री पद की न्यायिक समीक्षा पर पाबंदियां लगाई गईं। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा स्पीकर को भी कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा दी गई।

41वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 7 सितंबर 1976- क्या बदला?
केंद्र और राज्य सरकार के कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 साल से बढ़ाकर 62 साल की गई।

44वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 20 जून, 1 अगस्त और 6 सितंबर, 1979- इससे क्या बदला?
देश में आपातकाल खत्म होने के बाद संविधान संशोधन। 42वें संविधान संशोधन के कई प्रावधान खत्म किए गए। मानवाधिकारों की सुरक्षा और कार्यकारिणी और न्यायपालिका के गलत इस्तेमाल को रोकने के प्रावधान किए गए।

61वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 28 मार्च 1989- इससे क्या बदला?
मताधिकार का प्रयोग करने की वैध उम्र को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया गया।

74वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 1 जून 1992 - इससे क्या बदला?
शहरी क्षेत्रों में स्थानीय निकायों- नगरपालिकाओं को प्रशासनिक निकायों का दर्जा।

77वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 17 जून 1995- इससे क्या बदला?
अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति से आने वाले कर्मियों को प्रोन्नति में आरक्षण का प्रावधान।

91वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 1 सितंबर 2004 - इससे क्या बदला?
केंद्र और राज्य सरकारों में कैबिनेट मंत्रियों की संख्या कुल विधायकों के 15 फीसदी तक सीमित की गई। दल-बदल कानून को मजबूत किया गया।

93वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 20 जनवरी 2006- इससे क्या बदला?
अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को सरकारी के साथ निजी शिक्षा संस्थानों में भी लागू किया गया।

103वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 12 जनवरी 2019- इससे क्या बदला?
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 फीसदी आरक्षण दिए जाने का प्रावधान।

106वां संविधान संशोधन

कब हुआ- 28 सितंबर 2023- इससे क्या बदला?
लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों पर आरक्षण का प्रावधान।

- साभार

राज्यपाल ने राज्य स्तरीय मतदाता दिवस समारोह में नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना को सम्मानित किया

नर्मदापुरम. 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय मतदाता दिवस समारोह में मध?यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम मंगू भाई पटेल ने नर्मदापुरम कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना, को लोकसभा निर्वाचन-2024 में IT initiative, स्वीप गतिविधियों और समग्र रूप से उत्कृष्ट कार्य के लिये के लिये विशेष श्रेणी का पुरस्कार प्रदान किया। महामहिम राज्यपाल श्री पटेल ने समग्र रूप से निर्वाचन में सराहनीय कार्य किये जाने पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना को सम्मानित किया।

हर्षोल्लास से मनाया आदिवासी संस्कृति का कोया पुनेम महोत्सव

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आदिवासी समाज अपने धार्मिक उत्सव किस तरह बनाते हैं इसका जीता जागता उदाहरण है ग्राम कांदई में इन दिनों जारी सात दिवसीय कोया पुनेम महोत्सव का आयोजन जो पूरे हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन आदिवासी समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और प्रचारित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। महोत्सव के पांचवें दिन 2000 से अधिक श्रद्धालुओं और आगंतुकों ने इसमें भाग लिया.ग्राम का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

कोया पुनेम का शाब्दिक अर्थ है 'आदिवासियों का धर्म।' यह एक ऐसा धार्मिक और सांस्कृतिक आंदोलन है, जो आदिवासी समाज की परंपराओं, रीति-रिवाजों और आध्यात्मिक मूल्यों को संरक्षित रखने का संदेश देता है। इस आयोजन के माध्यम से आदिवासी समाज की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने और युवाओं को अपनी विरासत से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। पांचवें दिन की शुरुआत पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई। स्थानीय पुजारियों और बुजुर्गों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर मंत्रोच्चारण के साथ पूजा संपन्न करवाई। इसके बाद पारंपरिक नृत्य और गीतों की प्रस्तुतियां हुईं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों में आदिवासी समाज की संस्कृति और जीवनशैली की झलक साफ दिखाई दी।

कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने रखी आधारशिला

73 लाख से मुख्य बाजार की डेढ़ किमी लंबी सड़क पर होगा डामरीकरण

भूमिपूजन होते ही देर रात में शुरू हुआ डामरीकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

व्यापार संघों की मांग और आम नागरिकों के आवागमन के लिए जर्जर हो चुकी शहर के मुख्य बाजार की सड़क शनिवार से चकाचक नजर आने लगेगी। नगर की जीवन रेखा में शुमार इस महत्वपूर्ण सड़क के लिए डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन होने के साथ विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयास इस दिशा में फलीभूत होते दिखाई दिए। भूमिपूजन कार्यक्रम होने के उपरांत ही विद्यार्थी पथ से शीतला माता मंदिर मार्ग पर ठेकेदार द्वारा नपा अधिकारियों के देखरेख में डामरीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया। उम्मीद है कि एक पखवाड़े में छतरी चौराहे से सेल्फी प्वाइंट तिराहा पुराना बस स्टैंड तक बनने वाली सड़क पर डामरीकरण का कार्य पूर्ण हो जाएगा।

शहर के वार्डों से होकर गुजरने वाले डेढ़ किलोमीटर लंबे मार्ग पर करीब 73 लाख की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य के लिए नगरपालिका परिषद द्वारा देर रात में काम शुरू होने के पूर्व आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि विधायक उमाकांत शर्मा ने शहर की जनता जनार्दन को यह महत्वपूर्ण सौगात समर्पित करते हुए कहा कि भाजपा नपा एवं सभी संस्थाएं मिल जुलकर क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। हमारे व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा भी बाजार की जीर्ण शीर्ण हो चुकी सड़क पर डामर करवाने का अनुरोध किया गया था तथा यातायात में भी परेशानी उत्पन्न हो रही थी। उन्होंने कहा कि संयोग से आज हम सबके नेता और क्षेत्र की जनता को भगवान मानकर उनके सेवक की भांति जनसेवा करने वाले स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा की जन्म जयंती भी है। उन्होंने विधायक बनने से लेकर सरकार में मंत्री रहने तथा अपने जीवन की अंतिम सांस तक विधानसभा के प्रत्येक छोर पर विकास के कीर्तिमान स्थापित किए हैं वे सच्चे अर्थों में विकास पुरुष थे जिन्होंने संघर्ष करके कभी काले पानी के नाम से जाने वाले सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र को एक नई पहचान देकर समृद्ध बनाने का प्रयास किया है। नपा परिषद द्वारा धूमधाम से आयोजित कार्यक्रम में नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने विधायक शर्मा का स्वागत करते हुए सम्मान स्वरूप गदा भेंट की। इसके पूर्व कार्यक्रम में भाजपा नेता रमेश यादव,संजय सोनी तथा स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि रूपेश यादव ने भी संबोधित किया तथा सडक निर्माण करवाने के लिए आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन भी किया। इसके पूर्व विधायक शर्मा ने नपा के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रमुख समाजसेवियों के साथ पूजा अर्चना कर निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद सचिन शर्मा ने एवं आभार मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह,पूर्व मंडल अध्यक्ष पारस तारण, वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश झा,एसडीएम हर्षल चौधरी,सराफा संघ अध्यक्ष कैलाश सोनी, जैन समाज ट्रस्ट के मंत्री सुनील जैन सहित सभी वार्डों के पार्षदगण, भाजपा संगठन के पदाधिकारी एवं नागरिकबंधु उपस्थित रहे।

कपड़ा बाजार की सड़क का डामरीकरम,गंदगी से मिलेगी मुक्ति

नगर के मुख्य बाजार में होने वाले इस डामरीकरण के कार्य के पहले जामा मस्जिद से लेकर घेतल गली तक की वर्तमान सड़क को तीन से चार फिट तक खुदाई की जाएगी जिसके बाद इस इस एरिये की सड़क पर डामर किया जाएगा। डामर होने के बाद इस हिस्से की सड़क करीब एक फीट नीचे हो जाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि इस हिस्से में प्राचीन समय के तीन मंजिला बाजार की तलघरनुमा दुकानें हैं जिनमें से अधिकतर कपड़े का व्यवसाय होता है। विगत वर्षों में अनेक बार डामर हो जाने से सड़क का यह हिस्सा दुकानों के भी ऊपर आ गया है जिससे बरसात के मौसम में तेज बारिश होने से पानी दुकानों में घुसने लगता है और व्यापारियों का मॉल खराब होकर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए वस्त्र व्यापार संघ एवं व्यापार महासंघ विधायक उमाकांत शर्मा व स्थानीय प्रशासन से सड़क को नीचा करने की मांग कर रहे थे। जिसको देखते हुए विधायक शर्मा ने विगत कार्यकाल में इस हिस्से की सड़क को नीचा सीसी सड़क करने की स्वीकृति करवाई थी। परन्तु बार बार मुक्त निर्माण कार्य में विलंब होने तथा लंबे समय तक व्यापार प्रभावित होने से वह निर्माण कार्य नहीं हो सका। इसके बाद प्रशासन ने सड़क के इस हिस्से। को खोदकर डामर करने की ही योजना बनाई है जिस पर व्यापारी भी सहमति प्रदान कर चुके हैं।

व्यापार महासंघ का भवन निर्माण के लिए दस लाख की घोषणा

कार्यक्रम के दौरान विधायक उमाकांत शर्मा ने व्यापार महासंघ सहित शहर के सभी व्यापारियों से इस डामरीकरण कार्य में सहयोग करने की अपील करते हुए मुख्य बाजार में पसरे अतिक्रमण को हटाने एवं सहयोग करने की बात कही। उन्होंने नगरपालिका के अधिकारियों को भी तोड़फोड़ नहीं करने के निर्देश देते हुए कहा कि व्यापार महासंघ तथा अन्य सभी व्यापार संघों को साथ में लेकर सड़क निर्माण के लिए दुकानों के आंगे पसरे अतिक्रमण को हटाने का काम करें। किसी गरीब का नाजायज नुकसान न हो इसका भी ख्याल रखें। इस दौरान उन्होंने व्यापार महासंघ द्वारा अपना कार्यालय बनाने के लिए पूर्व में की गई मांग पर भवन निर्माण करने के लिए विधायक निधि से दस लाख रुपए देने की भी घोषणा की। साथ ही उन्होंने 32 बीघा में फैले स्थानीय तालाब से वगैर पक्षपातपूर्ण तरीके से पसरे हुए अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश स्थानीय प्रशासन को दिए। इसके अलावा नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में पनप रही चिन्हित अवैध कॉलोनियों एवं स्थानीय केथन डेम की भूमि पर अवैध ढंग से खेती कर रहे कब्जाधारियों पर भी कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए।

विधायक ने खर्च की शिकायत पर अमल करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

धरातल पर कितना होगा पालन, अमल होता है तो करूंगा स्वागत : खर्चा

सिरोंज। शुक्रवार की रात्रि में मुख्य बाजार की सड़क पर डामरीकरण का रिनुअल कोर्ट के भूमि पूजन के दौरान क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने मंच से कहा कि अशोक जैन खर्च के द्वारा मरघटों केथन, तालाब, चरनोई पर अतिक्रमण तथा अवैध रूप से कॉलोनी से लेकर जनहित के जितने भी मुद्दे इनके द्वारा उठाए गए हैं उन पर अमल करने के लिए मैंने कलेक्टर को भी पत्र लिखा है साथ ही उन्होंने मंच से एसडीम से कहा कि यदि विधायक उमाकांत शर्मा का भी कहीं पर नाम आता है तो उसे पर भी कार्रवाई बेहिचक होकर करें ।

विधायक ने नगर पालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू से पूछ कि तालाब कितने बीघा में है तो उन्होंने जवाब दिया कि 32 बीघा में है तो उसको अतिक्रमण मुक्त करवाए केथन डैम की भूमि पर अवैध रूप से खेती करने बालों पर धरातल पर करवाई करें। मरघटों को भी अतिक्रमण से मुक्त करवाए अबैध रूप से कलोनी कॉलोनी काटने वालों पर नियम अनुसार कार्रवाई करें।

चरनोई जमीन को भी खाली करवाएं

विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि मेरा किसी से कोई सरोकार नहीं है चरनोई की जमीन को भी खाली करवाए इन भूमाफियाओं ने अवैध रूप से कॉलोनी काटकर कर भोली भाली जनता से लाखों रुपए लेकर उनको परेशान किया जा रहा है। इन पर कार्रवाई होनी चाहिए। प्रशासन के द्वारा 55 अवैध कॉलोनी कॉलोनी पर कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन कलेक्टर को भेज दिया गया है।

40 अवैध कॉलोनियों पर जल्दी ही कार्रवाई होगी जिसका प्रशासन ने तैयारी कर ली है

साथ ही प्रशासन के द्वारा 40 और अवैध कॉलोनी पर जल्दी ही कार्रवाई की तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण होने से बाजार में आने-जाने में अब कोई समस्या नहीं होगी सभी सहयोग करें अच्छा काम हो साथी व्यापार महासंघ की मांग को भी पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इस दौरान। दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव, एसडीएम हर्षल चौधरी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू आदि मौजूद थे। अशोक जैन खर्च ने विधायक के बयान पर कहा कि यदि जनता के हित में विधायक अमल करते हैं तो मैं उनका स्वागत करता हूं यदि अमल नहीं हुआ तो मैं जनता की आवाज इसी तरह जनहित में उठाना रहूंगा।

गणतंत्र दिवस पर मदिरा विक्रय एवं परिवहन पूर्णत: प्रतिबंधित, आदेश जारी

सिरोंज। विदिशा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी रविवार को जिले में शुष्क दिवस घोषित करने का आदेश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रौशन कुमार सिंह के द्वारा जारी किए गए है। जारी आदेश में उल्लेख है कि गणतंत्र दिवस 26 जनवरी रविवार को विदिशा जिले की समस्त देशी, विदेशी मदिरा दुकानो से मदिरा विक्रय एवं मद्य भण्डागारो से मदिरा परिवहन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। संबंधितों को जारी आदेश का कढाई से पालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई है।

धूमधाम से मनाय पर्यटन दिवस, कामती में मैराथन दौड़ आयोजित

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का वार्षिक आयोजन देश की विविध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को जिले भर में मनाया गया. पर्यटन के सभी रूपों का जश्न मनाते हुए यह दिन राष्ट्र के विकास, अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में पर्यटन उद्योग के महत्व की याद दिला रहा है। पर्यटन दिवस प्रतिवर्ष 25 जनवरी को पूरे देश में मनाया जाता है। इसी तारतम्य में नर्मदापुरम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मढ़ई के नजदीक ग्राम कामती में मनाया गया। जिसमें स्कूली बच्चों ने स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं ने मध्यप्रदेश टूरिज्म के प्रसिद्ध बायसन रिसोर्ट के प्रबंधक, जिला पर्यटन प्रबंधक, गाइड, आई जी एस संस्था एवं डी ए टी सीसी से भी लोग शामिल हुए। आयोजन में सबसे पहले सभी ने मिलकर प्रकर्ति को संजोए रखने की शपथ ली। इसके बाद 2 किलोमीटर की मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने लगाई दौड़ मैराथन के समापन के उपरांत विजय छात्र छात्राओं में प्रथम वैभव वाडीवा, द्वितीय नीलेश धुर्वे , तृतीय रोहित कलमें एवं छात्राओं में प्रथम रक्षा बट्टी, द्वितीय सोनिया मरकाम, तृतीय स्थान पर मीनाक्षी युवने रही। सभी को मेडल से सम्मानित किया गया। साथ ही विजय हुए बच्चों के लिए ओर शिक्षक शिक्षिकाओं को बायसन रिसोर्ट के प्रबंधक अभिनव द्वारा बायसन रिसोर्ट में भोजन भी करवाया। बच्चों को गाइड द्वारा वर्डवाचिंग भी करवाई गई । फुलगुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर द्वारा बच्चों को पर्यटन संबंधित जानकारी दी गई एवं सभी को स्थानीय पर्यटन की उपलब्धियों को बताया गया।

15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम का आयोजन हुआ

युवा मतदाता देश की सबसे बड़ी धरोहर : जाकिर हुसैन

हर मतदाता मतदान करें : कलेक्टर सिंह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय पर आज 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में मतदाता जागरूकता संबंधी संदेशो का संम्प्रेषण किया गया वहीं पूर्व में उक्त कार्यो को उत्कृष्टता से संपादन कराने पर उन्हें अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया और नवीन मतदाताओं को ईपिक कार्ड प्रदाय किए गए है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने कहा कि युवा मतदाता देश की सबसे बड़ी धरोहर है हर युवा अपने मत का उपयोग करें। राजतंत्र से प्रजातंत्र तक की धूरि में एक मत की क्या महत्वता है का उन्होंने सदोहरण देते हुए उन्होंने निर्वाचन के मतदान का मौलिक अधिकार बेहिचक बिना भय, बिना दबाब के करने की सीख देते हुए स्वंय मतदान करें और अपने परिवारजनों को मतदान करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जनता को अपना प्रतिनिधि चुनने का यह सबसे बडा अधिकार है। सभी को एक वोट देने का अधिकार है जो प्रजातंत्र की आत्मा है। उन्होंने युवाजनों से आव्हान किया कि वे भारत के भविष्य निर्माता है और वे भी प्रजातंत्र के महत्व से बखूबी अवगत है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रौशन कुमार सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बडा प्रजातंत्र है। जहां मतदाता अपने मतदान से निर्भीक होकर चुनाव करते है। उन्होंने मतदाता दिवस आयोजन के उद्धेश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि नव मतदाता अपने मतो का प्रयोग करें का संदेश सब तक पहुंचे।

नव मतदाताओं को ईपिक कार्डो का वितरण

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्रीमती अर्पणा शर्मा, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, एसपी रोहित काशवानी ने कार्यक्रम में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नव मतदाताओं को ईपिक कार्ड बांटते हुए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि प्रत्येक निर्वाचन में वह अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुरस्कृत हुए

विधानसभा निर्वाचन तथा मतदाता संक्षिप्त पुर्नरीक्षण कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट कार्य का संपादन करने वाले बीएलओ को आयोजन स्थल पर अतिथियों द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की बीएलओ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रानी सोनी, सुधा सक्सेना, भावना राजपूत, और विनीता अहिरवार के द्वारा बीएलओ के दायित्वों का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अतिथियों द्वारा इन सभी को प्रशंस्ति पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया गया।

जिले में मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में किए गए कार्यो के सापेक्षित परिणाम को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में जेण्डर रेशो में वृद्धि हुई है अब 918 से बढकर 923 हो गया है। उन्होंने प्रजातंत्र में मतदान की महत्वता और हक को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे बढा प्रजातंत्र है यहां एक ही दिन में मतगणना कर परिणामो की घोषणा की जाती है। प्रजातंत्र को मजबूती देने के लिए हरेक व्यक्ति अपने मत का उपयोग निर्भीक होकर करें।

एसपी रोहित काशवानी ने कहा कि निर्वाचन इतनी बडी प्रक्रिया है जिसे जिले में निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराया गया है यह सब टीम वर्क की भावना से संभव हुआ है। चुनौतियों का बखूबी रूप से संयुक्त समन्वय से संपादन किया गया है। डिप्टी कलेक्टर व उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने मतदाता जागरूकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने मतदाता सूची के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत संपादित किए गए कार्यो का हवाला देते हुए बताया कि जिले में प्रोजेक्ट पापुलेशन वर्ष 2024 के मान से कुल मतदाता, जेंडर, ईपी रेशो, पीडब्ल्यूडी तथा 18 से 19, 20 से 29 आयु वर्ग एवं 80 प्लस और सर्विस मतदाताओं की अद्यतन जानकारी से अवगत कराया है। कार्यक्रम का विधिवत शुभांरभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया।

इसके पश्चात् कलेक्टर रौशन कुमार सिंह , अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, एसडीएम क्षितिज शर्मा ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया साथ ही उन्हें वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम स्लोगन पर आधारित बैज लगाया। निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य पर दिलाई जाने वाली शपथ का वाचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने किया। जिसे कार्यक्रम में मौजूद सभी अन्य अतिथियों, अधिकारी, कर्मचारियों के साथ-साथ युवा मतदाताओं के द्वारा दोहराया गया है। मतदाता दिवस पर जिले के वयोवृद्ध अस्सी वर्ष से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं का सम्मान शाल श्रीफल भेंटकर किया गया है।

मतदाता जागरूकता को रेखांकित करने वाली विविध कार्यक्रमों में रंगोली के माध्यम से भी संदेशो का सम्प्रेषण किया गया है। कार्यक्रम के अतिथिगणो के अलावा अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों और जनसामान्य ने भी छात्राओं, महिलाओं के द्वारा बनाई गई रंगोलियों को देखा और उनका उत्साहवर्धन किया।

दौरान एमएलबी की छात्राओं के द्वारा मतदाता दिवस पर केन्द्रित लघु नाटिका को प्रस्तुत किया। मतदाता दिवस पर आयोजित उक्त कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ इससे पहले आंगतुक अतिथियों के प्रति एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दीप्ति शुक्ला ने किया।

कलेक्टर ने निर्वाचन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को किया सम्मानित

सीहोर, दोपहर मेट्रो

कलेक्ट्रेट जिला पंचायत सभाकक्ष में 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने नवीन मतदाताओं को इपिक कार्ड वितरित किए। उन्होंने निर्वाचन के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला प्रशासन तथा पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार का संदेश सुनाया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने का उद्देश्य मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराना है। उन्होंने सभी अधिकारी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सभी ने जिम्मेदारपूर्वक सामूहिक रूप से कार्य करते हुए शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक लोकसभा तथा विधानसभा के निर्वाचन संपन्न कराए हैं। उन्होंने कहा कि यह सभी की कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है कि हम मतदान में अपने जिले का मतदान प्रतिशत बढ़ाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने कहा कि गत निर्वाचनों को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, सेक्टर ऑफिसर, पुलिस, बीएलओ, पत्रकार साथियों, नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मतदान की प्रक्रिया में शामिल सभी शासकीय सेवकों ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने का जो संकल्प लिया था, उसे पूरा किया है और निर्वाचन के दौरान सीहोर जिले के मतदाताओं को जागरूक करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा? कि वर्तमान में हमारे जिले में दस लाख से अधिक मतदाता हो गए हैं

और हमारा दायित्व है कि हम उन सभी मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं जिनके नाम अभी तक मतदाता सूची में नही जुड़े हैं।

उन्होंने सभी बीएलओ को संबोधित करते हुए कहा कि जो मतदाता 17.5 वर्ष की आयु के हो चुके है, उनका नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की प्रक्रिया शुरू करें। ताकि जैसे ही वह 18 वर्ष की आयु पूर्ण करें, उनका नाम मतदाता सूची में जुड़ जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया सभी प्रक्रियाओं में सबसे अधिक पारदर्शी प्रक्रिया होती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन में हम सभी का यह सामूहिक प्रयास हो कि कोई भी मतदाता मतदान करने से न छूटे।

इस अवसर पर एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि सभी ने जो पिछले निर्वाचनों को निर्विघ्न एवं पारदर्शी रूप से सफलतापूर्वक संपन्न कराया है, यह सभी के सामूहिक प्रयासों और एकता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जहां लोकतंत्र के पर्व के दौरान सभी में एकजुटता दिखाई देती है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निर्वाचन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं पारदर्शी ढ़ंग से संपन?न कराना सभी की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मतदाताओं को दिलाई गई शपथ

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने उपस्थित मतदाताओं को लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में स्वतंत्र तथा निष्पक्ष रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, एडिशनल एसपी श्री गीतेश गर्ग, संयुक्त कलेक्टर श्री आनंद सिंह राजावत, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी तथा नए मतदाता उपस्थित थे।

निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिंह ने गत विधानसभा चुनाव के स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित की गई निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान छात्र प्रदीप प्रजापति, द्वितीय कुमारी रानी मीना तथा कुमारी प्रीति वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एग्रीकल्चर, हार्टिकल्चर व मिल्क प्रोसेसिंग राजस्व का बड़ा स्त्रोत

ये तीनों सेक्टर में मप्र का उत्पादन दूसरे राज्यों की तुलना में बेहतर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकार कर्ज पर कर्ज लेती जा रही है। दूसरी तरफ उद्योगों को आकृर्षित करने के लिए हजारों एकड़ जमीनें उद्योगपतियों को दे चुकी है लेकिन राजस्व बढ़ाने के सबसे सरल और मौजूदा संसाधनों वाले उपायों पर काम करने को तैयार नही है। इनमें एग्रीकल्चर, हार्टिकल्चर और मिल्क उत्पादन मुख्य है। मप्र कई राज्यों की तुलना में इन तीनों क्षेत्रों में उत्पादन लेने में अच्छी स्थिति वाला राज्य है। एग्रीकल्चर में तो राज्य को कई पुरस्कार मिल चुके हैं, मिल्क उत्पादन में राज्य तीसरे नंबर पर है तो हार्टिकल्चर में भी दूसरे राज्यों से कम नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक रिकार्ड पैदावर के बावजूद भी सरकार इन तीनों क्षेत्रों में प्रोसेसिंग उद्योगों को खड़ा नहीं कर पाई है। जिसके कारण दूसरे राज्य मप्र के इन उत्पादों से सालाना हजारों करोड़ रुपये कमा रही हैं।

अनाज उत्पादन में मप्र का तोड़ नहीं, लेकिन फूड प्रोसेसिंग नहीं

गेहूं, चावल, तिलहन, दलहन समेत कई अनाज के उत्पादन में मप्र पहले नंबर का राज्य है लेकिन इन अनाजों की प्रोसेसिंग नाममात्र की होती है। दूसरे राज्य यहां से अनाज लेकर बड़ा लाभ कमा रहे हैं। कई ऐसे राज्यों में फूड प्रोसेसिंग के काम हो रहे हैं, जहां अनाज की कमी है। सरकार ने इस दिशा में कभी ठोस कदम नहीं बढ़ाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक अधिक पैदावर के समय गेहूं, धान की कीमतें गिर जाती हैं, जबकि दूसरे राज्यों में इन अनाजों कई कई खाद्य सामग्री बनाने में उपयोग होता है और दूसरे देशों में सप्लाई की जाती है।फल, सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में मप्र रिकार्ड बना रहा है लेकिन लाभ दूसरे राज्य कमा रहे हैं। मप्र के पास इस क्षेत्र में निर्यात की सीधी चेन नहीं है। कुछ स्टार्टएप को छोड़कर प्रोसेसिंग क्षमता भी एक तरह से जीरो है। हर साल कई बार ऐसे मौके आते हैं जब टमाटर की अधिक पैदावर होने पर वे खराब हो जाते हैं, किसान सड़कों पर फेकने को मजबूर हो जाते हैं। आलू, प्याज व लहसून के साथ भी ऐसी स्थिति निर्मित हो चुकी है। जबकि दूसरे राज्यों में इन उत्पादों को सूखाकर पाउडर समेत अन्य स्वरूप में रखा जाता है और निर्यात किया जाता है।

लाभ कमा रही निजी कंपनियां

दूध उत्पादन करने में मप्र तीसरा बड़ा राज्य है लेकिन राज्य को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। निजी कंपनियां चांदी काट रही है। वजह– मिल्क प्रोसेसिंग के क्षेत्र में मप्र का पिछड़ना है।

किराएदार युवक ने किया डंडे से हमला

भोपाल। टीला जमालपुरा में रहने वाले एक व्यक्ति अपने किराएदार से किराया मांगा तो किराएदार ने उस पर डंडे से हमला कर दिया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक राजेश यादव (51) वरदान अस्पताल के पीछे टीला जमालपुरा में रहते हैं और मजदूरी करते हैं। उनके यहां संतोष नामक युवक काफी समय से किराए से रह रहा है, जिससे राजेश की मां किराया वसूल करती हैं। पिछले दिनों राजेश ने अपनी मां से खर्चे के लिए रुपए मांगे तो मां ने बोला कि किराएदार संतोष से ले लो। इस पर राजेश ने संतोष से किराया मांगा तो वह गाली-गलौज करने लगा। गाली देने से मना करने पर संतोष ने डंडे से राजेश पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर राजेश की पत्नी और बेटी ने बीच-बचाव किया। उसके बाद राजेश को इलाज के लिए डीआईजी बंगला स्थित निजी अस्पताल लेकर गए, जहां से हमीदिया के

आयशर ट्रक ने पैदल जा रहे राहगीर को रौंदा, मौत

बरखेड़ी रोड पुल बोगदा पर हुआ हादसा

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित पुल बोगदा के पास बरखेड़ी रोड पर शुक्रवार शाम तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने पैदल जा रहे राहगीर को चपेट में ले लिया। गंभीर हालत में उसे एंबुलेंस 108 की मदद से हमीदिया अस्पताल रवाना किया गया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को हमीदिया अस्पताल के मरचुरी रूम में रखवा दिया था। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक हादसा शुक्रवार 7 करीब सात बजे पुल बोगदा पुल के पास बरखेड़ी रोड पर हुआ। पुल बोगदा की ओर से भारत टॉकीज की ओर जा रहे तेज रफ्तार आयशर ट्रक के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए पैदल जा रहे युवक को चपेट में ले लिया। उसके सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से युवक को हमीदिया अस्पताल रवाना किया लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज अथवा सामान नहीं मिला, जिससे पहचान की जा सके। उम्र 35 से 40 साल के आसपास बताई गई है। युवक की जेब से देशी शराब का एक क्वार्टर बरामद हुआ है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने की सेवा पदक की घोषणा

4 अफसरों को विशिष्ट, 17 को सराहनीय सेवा पदक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस के 4 अधिकारी एवं कर्मचारी को विशिष्ट सेवा पदक और 17 अधिकारी एवं कर्मचारियों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान करने की घोषणा की गई है। स्वाधीनता दिवस 15 अगस्त 2025 को अलंकरण समारोह में इन्हें पदक सौंपे जाएंगे। इन्हें मिलेंगे विशिष्ट सेवा पदक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस महानिरीक्षक मकरंद देउस्कर, पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना, निरीक्षक वीर विक्रम सिंह सेंगर तथा निरीक्षक नवाब खान को विशिष्ट सेवा पदक देने की घोषणा की गई है। इनको मिलेंगे सराहनीय सेवा पदक सराहनीय सेवा के लिए पुलिस महानिरीक्षक रुचि वर्धन मिश्रा, उप पुलिस महानिरीक्षक बीरेन्द्र कुमार सिंह, सहायक पुलिस महानिरीक्षक विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, सहायक पुलिस महानिरीक्षक विनय प्रकाश पॉल, निरीक्षक पंकज कुमार राजवैद्य, निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा, निरीक्षक मनोज बैस, उप पुलिस अधीक्षक ऋषुराज गुप्ता, निरीक्षक दीपिका शिंदे, सहायक उप निरीक्षक देवबहादुर सिंह परिहार, सहायक उप निरीक्षक सतीश मंडिया, आरक्षक, जानकी राव, उप निरीक्षक राजकुमार तिवारी, उप निरीक्षक योगेश कुमार शर्मा, उप निरीक्षक होशियार सिंह ठाकुर को पदक दिया जाएगा। भोपाल से 2 अफसर शामिल केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई सूची में भोपाल पुलिस कमिश्नरेट से दो अफसर शामिल हैं। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेंद्र सिंह चौहान और पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी मनोज बैस को पदक दिया गया है। यह सम्मान पुलिस अफसरों के उच्च कोटि की कार्य क्षमता एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रदान किया गया है।

महिला आरक्षक के साथ युवकों ने की बदसलूकी

भोपाल। ऐशबाग इलाके में रहने वाली एक महिला आरक्षक के साथ दो युवकों ने फोन पर बदसलूकी कर दी। उनके बीच उधारी के पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। युवती ने जैसे ही थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई, वैसे ही आरोपियों ने ऑनलाइन उसके रुपये वापस कर दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली युवती जीआरपी में आरक्षक है और फिलहाल स्पोर्ट शाखा भोपाल में अटैज है। अवधपुरी में रहने वाला अरुण कुमार नामक युवक उसके साथ बास्केट बाल की प्रैक्टिस करता था, जिसके कारण दोनों के बीच पहचान हुई थी। करीब चार महीने पहले अरुण ने जरूरी काम बताकर आरक्षक से 6 हजार रुपये उधार लिए थे, लेकिन वापस नहीं कर रहा था। शुक्रवार की शाम को आरक्षक ने उसे फोन लगाया तो रामा नामक युवक ने फोन रिसीव किया। काम पूछने पर आरक्षक ने बताया कि उसे अरुण से पैसे लेने हैं। इस पर रामा ने उसके साथ गाली-गलौज की और फोन काट दिया। उसके बाद महिला आरक्षक ने जब दोबारा फोन लगाया तो अरुण ने उसे फोन पर जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर पीड़िता ने थाने जाकर दोनों के खिलाफ बदसलूकी करने और जान से मारने की धमकी देने का

बिल्डर से ज्वाइंट वेंचर के नाम पर लगाई एक करोड़ की चपत

भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में एक बिल्डर से ज्वाइंट वेंचर के नाम पर एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। जमीन मालिक ने इंदौर की जमीन पर प्लॉटिंग करने के लिए बिल्डर से पांच साल का एग्रीमेंट किया था। सिक्योरिटी के लिए बिल्डर से एक करोड़ रुपए भी ले लिए थे, लेकिन बाद में बिल्डर से सौदा खत्म करने के लिए नोटिस भेज दिया। पुलिस ने प्रकरण में आरोपी की मां को भी आरोपी बनाया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद अमानत में खयानत की धाराएं भी बढ़ाई जा सकती हैं।

पुलिस के अनुसार डी-सेक्टर शाहपुरा कॉलोनी चूनाभट्टी निवासी मनोज बूलचंदानी (54) ने साल 2022 में इंदौर स्थित 8.50 एकड़ जमीन प्लॉटिंग के लिए देखी थी। इसके लिए उनका जमीन मालिक अवधेश महेश्वरी और उनकी मां नयनतारा माहेश्वरी से प्लॉटिंग करने के लिए साल 2026 तक का अनुबंध हुआ था। प्लॉटिंग के बाद 40 फीसदी मनोज बूलचंदानी और 60 फीसदी अवधेश माहेश्वरी व नयनतारा का मुनाफा तय हुआ था। सिक्योरिटी के रूप में मनोज ने अवधेश व नयनतारा को एक करोड़ रुपए के चेक भी दिए थे। इसके बाद मनोज बूलचंदानी ने प्लॉटिंग करने के लिए सारी परमीशन व एनओसी एप्रूव करा ली थी। साल 2024 में जमीन मालिक अवधेश और नयनतारा ने मनोज को एक लीगल नोटिस भेज कर डील खत्म करने के लिए कहा। क्योंकि जमीन की पूरी डील शाहपुरा कॉलोनी चूनाभट्टी स्थित फरियादी के घर पर की गई थी इसलिए इसकी शिकायत फरियादी मनोज ने चूनाभट्टी पुलिस से की। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी अवधेश माहेश्वरी व उनकी मां नयनतारा माहेश्वरी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है।

28 जनवरी से रेलवे फाटक क्र.107 से सड़क यातायात बंद रहेगा

सीहोर। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के सीहोर के पास रेलवे फाटक क्रमांक 107 पर रोड ओवर ब्रिज के निर्माण का कार्य शुरू होने के कारण 28 जनवरी, 2025 से प्रात: 11.00 बजे से यातायात स्थाई रूप से बंद किया जाएगा।

इस दौरान फाटक क्रमांक 107 पर भोपाल से आने वाले ट्रैफिक को फंदा टोल टैक्स के पास से मुख्य मार्ग होकर जाने वाले भारी वाहन एवं अन्य वाहन लसूड़िया परिहार अंडर ब्रिज से होकर ग्राम पचामा , अब्दुल्लापुर और थुनाकला जा सकेंगे तथा सीहोर शहर की तरफ से आने वाले वाहन मुख्य मार्ग भोपाल इंदौर हाईवे से आवागमन कर सकेंगे।

जय जवान, जय किसान

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2025) के अवसर पर कृषक/व्यापारी/हम्माल/तुलावटी भाईयों एवं मंडी से जुडे हुये प्रतिनिधी/अधिकारी/कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

अपील:-

01. कृषक बंधु मण्डी प्रागंण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज की अनिवार्य रूप से दर्ज कराकर प्रवेश पर्ची प्राप्त करे।
02. कृषक बंधु अपनी फसल साफ-स्वच्छ कर ही मंडी प्रागंण में विक्रय करे ताकि अपनी फसल का अधिकतम भाव प्राप्त करे।
03. कृषक बंधु अपनी फसल का विक्रय शासन की योजनान्तर्गत फार्मगेट ऐप के माध्यम से कर सकते है।
04. कृषक बंधु अपनी फसल का गुणवत्ता संबंधी परीक्षण करवा ई-नेम योजनान्तर्गत विक्रय कर सकते है।
05. कृषक बंधु मंडी मे विक्रय की गई फसल का भुगतान 1.99 लाख नगद एवं आर०टी०जी०एस० के माध्यम से उसी दिन प्राप्त करे।
06. मंडी में कृषक पुरुस्कार योजना लागू है, कूपन सूचना केन्द्र प्राप्त कर सकते है।
07. कृषक बंधु ई-मंडी ऐप के माध्यम से स्वयं मोबाइल पर प्रवेश पर्ची बनवाये।

(के.सी. बामनिया) प्रभारी सचिव कृषि उपज मण्डी समिति इटारसी

(श्री टी. प्रतीक राव) (आई.ए.एस.) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सह पारसाधक अधिकारी कृषि उपज मण्डी समिति इटारसी

कार्यालय नगरपालिका परिषद, इटारसी

26 जनवरी 2025, गणतंत्र दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर नगर के विकास का नया इतिहास रचने का संकल्प लेकर नगरवासियों की समस्यामुक्त जिन्दगी का हक दिलाने में प्रयासरत रहेंगे।

• नागरिक बन्धुओं से विनम्र अपील •

» शहर में पॉलीथिन प्रतिबंधित है कृपया पॉलीथिन का इस्तेमाल न करें।
» घर का कचरा बाहर न फेंके। कचरा एकत्रित कर कचरा, नगरपालिका के कचरा वाहन में ही डालें।
» भवन कर, जल कर एवं अन्य करों करों का भुगतान समय पर कर शहर विकास में अपना योगदान दीजिये।
» नलों में टोंटी लगायें जल को व्यर्थ न बहने दें।
» पर्यावरण संतुलन हेतु वृक्षों को न काटें और न ही कटने दें एवं वृक्षारोपण करें।
» विवाह तथा जन्म एवं मृत्यु का पंजीयन अवश्य ही करायें।
» निर्माण कार्य स्वीकृत नक्शे के अनुसार ही करें।
» घरों में वर्षा जल संचयन किया जाए।

श्री पंकज चौरे अध्यक्ष

श्रीमति रितु मेहरा मुख्य नगरपालिका अधिकारी

उपाध्यक्ष तथा समस्त पार्षदगण
समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण,
नगर पालिका परिषद इटारसी जिला- नर्मदापुरम (म.प्र.)

भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में पहली बार फाइनल के लिए दो वेन्यू

दुबई. एजेंसी

लंबे इंतजार के बाद आइसीसी ने अगले साल पाकिस्तान में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट का शेड्यूल मंगलवार को घोषित कर दिया। आइसीसी ने कहा कि यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के आधार पर खेला जाएगा और भारतीय टीम के सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम का 23 फरवरी को पाकिस्तान के साथ होने वाला मुकाबला भी है। इस बीच, आइसीसी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार फाइनल के लिए दो वेन्यू तैयार किए गए हैं। दरअसल, बीसीसीआइ ने सुरक्षा कारणों से भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से साफ इंकार कर दिया था। इस कारण काफी लंबी जद्दोजहद के बाद यह तय किया गया दोनों भारत और पाकिस्तान की टीमें 2028 तक आइसीसी टूर्नामेंट के लिए एक-दूसरे के देश नहीं जाएंगी और तटस्थ स्थल पर मैच खेलेंगी। इस कारण आइसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के लिए दो वेन्यू का इंतजाम करना पड़ा।

एक सेमीफाइनल दुबई व एक लाहौर में : शेड्यूल के मुताबिक टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला दुबई में जबकि दूसरा लाहौर में खेला जाएगा। भारतीय टीम यदि सेमीफाइनल में जगह बनाती है तो वह अपना मैच दुबई में खेलेगी।

8 साल बाद हो रहा आयोजन: चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन आठ साल के लंबे अंतराल के बाद हो रहा है। आखिरी बार यह टूर्नामेंट 2017 में इंग्लैंड की मेजबानी में खेला गया था। इस वनडे टूर्नामेंट के फाइनल में भारत को हराकर पाकिस्तान की टीम पहली बार चैंपियन बनी थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया का दबदबा..

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने सर्वाधिक दो-दो बार खिताब जीता है। भारतीय टीम 2002 और 2013 में जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 2006 और 2009 में चैंपियन बनी थी।

सात टीमें बन चुकी हैं चैंपियन...

चैंपियंस ट्रॉफी को अब तक कुल आठ टीम जीत चुकी हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान ने खिताब जीता। भारतीय टीम के ग्रुप में बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम है। भारत पहला मैच बांग्लादेश से 20 फरवरी को, पाकिस्तान से 23 फरवरी और न्यूजीलैंड से दो मार्च को खेलेगा।

तारीख मैच स्थान

- 19 फरवरी पाकिस्तान-न्यूजीलैंड कराची
- 20 फरवरी भारत-बांग्लादेश दुबई
- 21 फर. अफगानिस्तान-द. अफ्रीका कराची
- 22 फरवरी ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड लाहौर
- 23 फरवरी भारत-पाकिस्तान दुबई
- 24 फरवरी बांग्लादेश-न्यूजीलैंड रावलपिंडी
- 25 फर.ऑस्ट्रेलिया-द. अफ्रीका

नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलने वाले तिलक का अनोखा रिकॉर्ड

भारत ने रोमांचक मैच में इंग्लैंड को हराया

रांची, एजेंसी

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन बनाए थे। जवाब में तिलक ने 55 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 72 रनों की पारी खेली जिसकी मदद से भारत ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन बनाकर मैच जीता। भारतीय टीम ने तिलक वर्मा की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड को दूसरे टी20 मुकाबले में दो विकेट से हराया और पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन बनाए थे। जवाब में तिलक ने 55 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 72 रनों की पारी खेली जिसकी मदद से भारत ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन बनाकर मैच जीता।

भारत के लिए तिलक के अलावा वॉशिंगटन सुंदर ने 19 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाए, जबकि नौवें बल्लेबाज के रूप में उतरे रवि बिश्नोई पांच गेंदों पर नौ रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड के लिए ब्राइडन कार्से ने तीन विकेट लिए और टीम को जीत दिलाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन तिलक की पारी के सामने उनका यह प्रयास सफल नहीं हो सका। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, आदिल राशिद, जैमी ओवरटन और लियाम लिविंगस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

अच्छी नहीं रही भारत की शुरुआत : लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने पांच विकेट 78 रन पर गंवा दिए थे, लेकिन तिलक ने वॉशिंगटन के साथ साझेदारी कर टीम को उबारने की कोशिश की। वॉशिंगटन के आउट होने के बाद तिलक ने मोर्चा संभाला और जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी इस मैच में टीम को बड़ी शुरुआत नहीं दिला सकी। अभिषेक 12 और सैमसन पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने तीन चौके लगाकर माहौल बनाया, लेकिन वह भी 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। वहीं, ध्रुव जुरेल चार रन बनाकर आउट हुए, जबकि हार्दिक पांड्या भी सात रन ही बना सके। अक्षर पटेल से उम्मीद थी, लेकिन उनका बल्ला भी ज्यादा नहीं चला और वह दो रन बनाकर आउट हुए। अर्शदीप सिंह छह रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। जब अर्शदीप आउट हुए उस वक्त भारत का स्कोर 146 रन था और टीम कठिन स्थिति में

दिख रही थी, लेकिन बिश्नोई ने तिलक का बखूबी साथ निभाया और तिलक ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

तिलक ने टी20 में बनाया अनोखा रिकॉर्ड : तिलक ने ना सिर्फ अपनी इस पारी से भारत को जीत दिलाई, बल्कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में अनोखा रिकॉर्ड भी बना लिया। तिलक टी20 में बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। तिलक का पिछली चार टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में स्कोर नाबाद 72, नाबाद 19, नाबाद 120 और नाबाद 107 रन है। इस तरह तिलक अबतक बिना आउट हुए लगातार 318 रन बना चुके हैं जो किसी अन्य बल्लेबाज की तुलना में सर्वाधिक है। तिलक ने इस मामले में मार्क चापमैन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2023 में टी20 में बिना आउट हुए लगातार 271 रन बनाए थे, जबकि श्रेयस अय्यर ने 2022 में इस दौरान 240 रन और ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच ने 2018 में बिना आउट हुए लगातार 240 रन बनाए थे।

इंग्लैंड के लिए बटलर फिर चमके : इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को बल्लेबाजी का न्योता दिया, लेकिन पहले टी20 की तरह चेन्नई में भी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हालांकि, बटलर ने एक बार फिर टीम को मुश्किल से उबारा और 30 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 45 रन बनाए। बटलर के अलावा ब्राइडन कार्से ने 17 गेंदों पर एक चौके और तीन छक्के की मदद से 31 रन की पारी खेली जिससे इंग्लैंड 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन बनाने में सफल रहा।

बटलर पहले टी20 की तरह चेन्नई में भी अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन अक्षर पटेल ने उन्हें आउट कर लगातार दूसरा अर्धशतक लगाने से रोका। इसके बाद कार्से ने भी कुछ तेज पारी खेली और फिर निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी योगदान दिया जिससे इंग्लैंड की टीम लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने 13 रन, लियाम लिविंगस्टोन ने 13 और जैमी स्मिथ ने 22 रन बनाए। जोफ्रा आर्चर नौ गेंदों पर 12 रन और मार्क वुड तीन गेंदों पर पांच रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह, हार्दिक पांड्या, वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

विश्व कप में किया था प्रभावित

अर्शदीप सिंह बने 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आईसीसी के 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 खिलाड़ी बन गए हैं। अर्शदीप ने पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था और भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। अर्शदीप हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के सबसे सफल गेंदबाज बने थे। अर्शदीप ने पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय में 18 मैचों में 36 विकेट लिए थे। वह इस प्रारूप में 2024 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। इससे पहले उन्हें रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के साथ आईसीसी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम भी नामित खिलाड़ियों में शामिल थे। बाबर टेस्ट खेलने वाले देशों में पिछले साल टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 23 पारियों में 33.54 के औसत और 133.21 के स्ट्राइक रेट से 738 रन बनाए थे जिसमें छह अर्धशतक शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड तीसरे खिलाड़ी थे जिन्होंने इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। हेड ऑस्ट्रेलिया के लिए 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 15 पारियों में 38.50 के औसत और 178.47 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए थे जिसमें चार अर्धशतक शामिल है।

जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा को भी नामांकन खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली थी। रजा पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने थे। रजा ने 23 पारियों में 28.65 के औसत और 146.54 के स्ट्राइक रेट से 573 रन बनाए थे जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल है। इतना ही नहीं, रजा ने पिछले साल 23 मैचों में 24 विकेट भी झटके जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 18 रन देकर पांच विकेट लेना रहा।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ रुपए के पार हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी

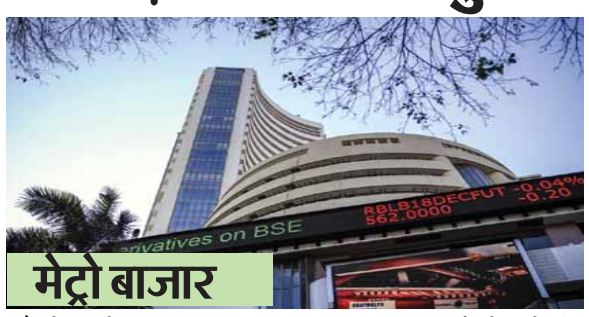

मेट्रो बाजार

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के निवेशकों के चेहरे खिले हुए हैं क्योंकि इसके शेयरों ने रिकॉर्ड हाई लेवल छू लिया है और मार्केट कैप भी 2 लाख करोड़ से ज्यादा हुआ है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में आज 12 फीसदी की जोरदार तेजी के साथ कारोबार हो रहा है. कंपनी ने आज नई ऊंचाइयों को छू लिया है और पहली बार इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 2 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को जियो फाइनेंस भी कहते है और इसका मार्केट कैप 2.16 लाख करोड़ रुपये पर आ चुका है. आज ही जियो फाइनेंस के शेयर ने 347 रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई दिखाई है और ये इस शेयर का ऑलटाइम हाई लेवल भी है. इस समय की बात करें तो इसके शेयर 12 फीसदी की जोरदार उछाल के साथ 339.20 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे हैं. जियो फाइनेंस की लिस्टिंग 21 अगस्त 2024 को हुई थी और ये एनएसई पर 262 रुपये जबकि बीएसई पर 265 रुपये पर लिस्ट हुए थे. रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी बनाया ऑलटाइम हाई-एमकैप 20 लाख करोड़ रुपये के पार रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर ने भी आज अपना नया हाई बनाया है और इस शेयर में 2988.80 रुपये के ऐतिहासिक लेवल देखे गए हैं. शेयर आज 2979 रुपये पर खुला था और बाद में और चढ़कर 2988.80 के नए शिखर पर पहुंच गया है. इसी तेजी के दम पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 20 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है. आरआईएल का मार्केट कैप 20.13 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है।

54,760 टन प्याज एक्सपोर्ट करने की परमिशन मिली

□§□ □¸□Ł— •□/·¸□
□□U•/□□U □□
^□□´□□□U□□· •/□ □□□`
□□U□´□¯U□ •/□U□□ •/Ł
´□U□□□□□ ¸□ ¸Ł
ªæ— '´□□Q/□
□□□□□· •□/ □□¿□
□U□□ª□ •/Ø□□□U
□□·ª □□ □□Œ`
□`□·□Ł □□ •/ª□,
'^□□´□□U Ł
□□•/□□ ´□□□□ □□ ¿□□U
¸□□□□· □□· xv □□¿□ □•/ zy,|fi
¯U□ □□□` □□U□´□¯U□ •/□U
□•□/·»□— □□·□□□¸□□□ •/□
zfifififi ¯U□, □□□□U Ł□□□
•/□ vwfifi ¯U□, □ª□U Ł□ •/□
xfififi ¯U□ ¥ı□U □Œ¯U□□
•/□ z{fi ¯U□ □□□` •□/
□□□□□□ •/Ł ¥□Ø□□□ ¸Ł ªæ—'
□□·ª □□ •/ª□, '□ª □□□□□□
□□¸□□□ □·□□□□□
•/Ł □□¨/□□□U□□
•□/ □□¸ □□□□ »□□
ªæ—' §□□□ ´ª□□
□□□` •□/
□□U□´□¯U□ ´□U
□»Ł □U□•/ •/□
ª¯U□□□ •/Ł □□□ □□
§□•/□□U □•/□□ ″□— '□ª□·□□
•/ª□ ″□, '□□□` •/Ł •/Ł□□□·
•/□ □□□·□□□□ □□· □U„□□ •□/
□□□ §□•□/ □□□□□□ ´□U ´ª□□
□□ □□□□Æ□ □□□ □Ł□□ xv □□¿□

शादी के बाद अभिनेत्री भाग्यश्री ने फिल्मों से बना ली थी दूरी

भाग्यश्री हिंदी सिनेमा की मशहूर अदाकारा हैं। अभिनेत्री ने पहली फिल्म 'मैंने प्यार किया' में दमदार अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। डेब्यू फिल्म से रातोंरात स्टार बनने वालीं भाग्यश्री का आज जन्मदिन है। भाग्यश्री आज भले ही फिल्मों से दूर हो, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। महाराष्ट्र में जन्मी भाग्यश्री शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता विजय सिंहराव माधवराव पटवर्धन सांगली के राजा हैं। तीन बहनों में भाग्यश्री सबसे बड़ी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अमोल पालेकर के सीरियल 'कच्ची धूप' से की थी।

'मैंने प्यार किया में' भाग्यश्री ने सलमान खान से तीन गुनी फीस चार्ज की थी

भाग्यश्री ने वर्ष 1989 में बड़े पर्दे का रुख किया था। उन्होंने सूरज बड़जात्या निर्देशित फिल्म मैंने प्यार किया से बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा है। इस फिल्म में भाग्यश्री के अपोजिट सलमान खान को कास्ट किया गया था। फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। रिपोर्ट्स के अनुसार, भाग्यश्री ने सलमान खान से तीन गुनी फीस चार्ज की थी। बताया जाता है कि इस फिल्म के लिए भाग्यश्री को एक लाख रुपये का भुगतान किया था। अभिनेत्री ने बिजनेसमैन हिमालय दासानी के साथ शादी के बंधन में बंध गईं और शादी के बाद उन्होंने सिर्फ तीन फिल्मों में ही काम किया। मात्र 19 साल की उम्र में ही उन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया जो उनके करियर के लिए अच्छा साबित नहीं हुआ। भाग्यश्री ने हिंदी के अलावा भोजपुरी, मराठी और तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है। इन फिल्मों से भाग्यश्री वो चार्म नहीं बिखेर पाईं, जो उनकी पहली फिल्म में दिखा। उनके बेटे अभिमन्यु दासानी भी फिल्मों में कदम रख चुके हैं। भाग्यश्री की एक बेटी भी है, जो बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं।

एक्टर अजय देवगन का 10-12 सालों तक हुआ था सुपरनैचुरल शक्तियों से सामना!

अजय देवगन फिल्म की पूरी टीम के साथ सुपरनैचुरल फिल्म शैतान बनाई थी। इस दौरान अजय ने अपनी जिंदगी से जुड़ा चौंकाने वाला खुलासा भी किया है. उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद ऐसी सुपरनैचुरल चीजों का अनुभव किया है. उन्होंने कहा कि उन्होंने करियर के शुरुआती दिनों में ऐसी चीजों को एक्सपीरियंस किया है. अजय देवगन ने मीडिया बातचीत में कहा, करियर के शुरुआती 10-12 सालों में उन्हें सुपरनैचुरल ताकतों का एहसास होता था. उन अनुभवों में क्या होता था मैं इसमें नहीं पड़ूंगा लेकिन वो काफी परेशान करने वाले होते थे. अजय देवगन ने बातचीत में ये भी कहा कि काला जादू जैसी चीजें दुनिया के हर धर्म में बताई गई हैं. अजय ने कहा उन्हें हॉरर जॉनर काफी पसंद है. और दुनियाभर के दर्शक इस जॉनर से कनेक्ट होते हैं क्योंकि हर धर्म में काले जादू का जिक्र है. बता दें कि इसके पहले 'काल' और 'भूत' जैसी सुपरनैचुरल पॉवर पर बनी फिल्मों में नजर भी आ चुके हैं. फिल्म का ट्रेलर देखकर साफ पता चलता है कि ये फिल्म काले जादू पर बेस्ड है। ट्रेलर में एक अजनबी एक परिवार में आकर उनकी बच्ची को अपने वश में कर लेता है. उसके बाद पूरे परिवार को उस शैतान से बचने की जद्दोजहद करते देखा जा सकता है.

कार्तिक आर्यन के मोनोलॉग पर तृप्ति ने दिया था करार जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. संदीप रेड्डी वांगा की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' में अपने छोटे से रोल से एक्ट्रेस ने पूरी लाइमलाइट चुरा ली थी. इस फिल्म ने तृप्ति को रातों रात स्टार बना दिया. इन सबके बीच फैंस ने तृप्ति डिमरी को नेशनल क्रश का टैग दे दिया. वहीं 23 फरवरी को तृप्ति अपना बर्थडे सेलिब्रेट करती हैं। एनिमल के बाद एक्ट्रेस की पॉपुलैरिटी में जबरदस्त तरीके से इजाफा देखने को मिला. फिल्म में उनके अभिनय की तारीफ हुई. अब भले ही वह एक बेहतरीन अभिनेत्री मानी जाती हों, लेकिन आपको ये बात जानकर हैरानी होगी कि उन्हें कभी भी एक्टिंग में दिलचस्पी थी ही नहीं. तृप्ति एक टेनिस प्लेयर बनना चाहती थीं. इस बात का खुलासा खुद एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में किया था. उन्होंने कहा था कि एक समय पर वह टेनिस प्लेयर बनना चाहती लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं हो पाया. वहीं जब एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने का फैसला किया था, तब उनकी फैमिली इसके खिलाफ थी. ऐसे में एक्ट्रेस ने अपना घर छोड़ कर अपना सपना पूरा करने के लिए मुंबई आ पहुंचीं. वहीं यहां आने के कुछ साल तक स्ट्रगल करने के बाद तृप्ति को फिल्मों में काम मिलना शुरू हो गया. वहीं साल 2017 में 'पोस्टर बॉयज' से अपना बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली तृप्ति डिमरी ने 'कला', 'बुलबुल' और 'लैला मजनू' में अपने बेहतरीन परफॉर्मेंस से वाहवाही लूट चुकी हैं। बुलबुल के लिए उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी का बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला था. हांलाकि, उन्हें असली पहचान एनिमस से मिली. वहीं बहुत कम लोग ये जानते हैं बॉलीवुड में आने से पहले तृप्ति यूट्यूब के एक कॉमेडी स्केचर्स में एक्टिंग करती थीं.

हमारा संविधान हमारा गौरव: संविधान गौरव लिखित तिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े

संविधान भारत का पवित्र ग्रंथ: सांसद आलोक शर्मा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी संविधान गौरव अभियान अंतर्गत भाजपा गुरुनानक मंडल द्वारा वाजपेयी नगर मल्टी स्थित अंबेडकर पार्क में भोपाल सांसद आलोक शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में पुष्पांजलि अर्पित कर महासंगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संविधान गौरव लिखित तिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े गए। सांसद आलोक शर्मा ने बताया देश में संवैधानिक मूल्यों की स्थापना करने वाले, समानता और न्याय के प्रतीक, दलितों और वंचितों की आवाज़ मुखर करने वाले बाबा साहेब भीम रॉव आम्बेडकर जी के सम्मान और उनके मूल्यों, आदर्शों को आगे बढ़ाने में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और भाजपा पूरी निष्ठा से जुटी है। राष्ट्र निर्माण को सही दिशा देने में बाबा साहेब का योगदान अतुलनीय है। जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने संविधान की प्रस्तावना, नीति निर्देशक तत्वों, और भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के अभूतपूर्व योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा, महेश मकवाना, गंगाराम घोसरे सहित कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय रहवासी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस की खुशियां उत्साह और उमंग रही

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गणतंत्र दिवस की खुशियां उत्साह और उमंग गणतंत्र दिवस की थीम के साथ ग्लैमर ग्रुप ने पारिवारिक सामाजिक जिम्मेदारियां का अपना बनाया संविधान राजधानी के एक्टिव ग्लैमर ग्रुप के सदस्यों ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केरवा डैम पर इकट्ठे होकर सभी को गणतंत्र दिवस की बधाइयां देते हुए खुशियां बाटी सभी ने राष्ट्र ध्वज की सलामी ली देशभक्ति के तराने के साथ प्रफुल्लित मन से गणतंत्र दिवस की खुशियां उमंग ओर उत्साह को समेट कर बनाई ग्रुप की प्रमुख निशिता सिंह ने बताया सभी सखी सहेलियां ने एकत्रित होकर अनूठे अंदाज में मनाया उन्होंने कहा महिलाओं की जिम्मेदारी सबसे पहले अपने बच्चों की अच्छी परवरिश शिक्षा के साथ संस्कार देने की हे अपने बुजुर्गों की केयर के साथ-साथ परिवार और समाज की जिम्मेदारियां को निभाना होता है ग्लैमर ग्रुप की सदस्यों ने अपने-अपने उत्तरदायित्वों के निर्माण के लिए सुझावों के साथ नियम बनाएं और अपनी जिम्मेदारी उठाने का स्वयं का गणतंत्र बनाया और महिलाओं को

संदेश दिया महिला शक्ति की खुशी स्वयं से पहले समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों और उतर दायित्व को निभाने की है होस्ट आराधना श्रीवास्तव ने सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया इस मौके पर एडमिन निशिता सिंह सारिका कपूर, तोशीबा कोहली खरे,अनामिका शर्मा, अंशु शर्मा, वंशिका तलरेजा, प्रतिभा यादव, डॉ गरिमा अग्रवाल,दीपिका सोबती, आराधना श्रीवास्तव , अमिता श्रीवास्तव ,दिव्या शास्त्री, मोनिका यादव, पलक मालवीय दिव्या शास्त्री, भारती नारायणी,पलक आहूजा आदि मौजूद थी।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में किया झंडावंदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने रविवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों व कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद श्री आलोक शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश महामंत्री श्री रणवीर सिंह रावत, वरिष्ठ नेता श्री माखन सिंह चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, महापौर श्रीमती मालती राय, प्रदेश मंत्री श्री पंकज जोशी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल, श्री तपन भौमिक, श्री विनोद गोटिया, संभाग प्रभारी श्री विजय दुबे, श्री राघवेन्द्र गौतम, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी, सुश्री नेहा बग्गा एवं जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छात्रों को कांग्रेस के अभियान में आमंत्रित करने ने बांटे पीले चावल

भोपाल। 27 जनवरी को महू में होने वाले आयोजन में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से लेकर कांग्रेस के कई कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिसे लेकर तैयारियां की जा रही है। वहीं दुसरी तरफ कांग्रेस की छात्र इकाई ने प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य सोनी के नेतृत्व में शुक्रवार को गोविंदपुरा स्थित शासकीय बाबू लाल गौर महाविद्यालय में छात्रों को पीले चावल देकर अभियान में शामिल होने और इससे जुड़ने की अपील करी।एनएसयूआई उपाध्यक्ष विदुषी शर्मा ने बताया कांग्रेस पार्टी के द्वारा जय बापू जय भीम जय संविधान अभियान की शुरुआत दिनांक 27 जनवरी को बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जी की जन्मस्थली मऊ से शुरू होगी।

सांस्कृतिक परिधानों में सजकर आए बच्चों ने गाए आजादी के तराने

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के कोलार रोड स्थित केंगू किड्स प्ले स्कूल में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में दो खास प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं– फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और डांस प्रतियोगिता, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हें-मुन्नों ने देशभक्ति और विभिन्न सांस्कृतिक परिधानों में सजकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, डांस प्रतियोगिता में बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर अपने शानदार नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों की मासूमियत और देशप्रेम से ओतप्रोत प्रस्तुतियाँ रहीं, जो उपस्थित सभी अभिभावकों और मेहमानों के लिए यादगार बन गईं। स्कूल प्रबंधक अमृता शर्मा ने इस अवसर पर बच्चों के उत्साह और मेहनत की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर बसंत पंचमी पर भी एक वृहद आयोजन की घोषणा की गई।

नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

भारत पर्व

प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर
26 जनवरी, 2025 / सांय 6.30 बजे

75 Years of Constitution

लोकतंत्र का लोक उत्सव

पारम्परिक कला मंडलियों के लगभग एक हज़ार से अधिक कलाकारों द्वारा लोक गायन, लोकनृत्य, सुराजगान, आज़ादी के तराने, कबीर गायन, कव्वाली, कवि सम्मेलन, लोक एवं जनजातीय कलाओं की राष्ट्र को समर्पित समवेत प्रस्तुतियाँ।

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

जिला	कार्यक्रम	कला मंडली
श्योपुर	देशभक्ति गीत	श्री ज्ञानसिंह कुशवाह, गुना
	बुन्देली लोकनृत्य	श्री अभय मौर्य, सागर
मुरैना	बुन्देली लोकगीत	श्री रामसिंह राय, छतरपुर
	बधाई लोकनृत्य	श्री लखन रजक, सागर
भिण्ड	देशभक्ति गीत	सुश्री अंशिका चौहान, ग्वालियर
	बुन्देली लोकनृत्य	श्री शुभम अहिरवार, दमोह
ग्वालियर	देशभक्ति गीत	श्री संदीप शर्मा, भोपाल
	लोकनृत्य (बरेदी, बधाई)	श्री रिन्शु पाटकर, नरसिंहपुर
शिवपुरी	कबीर गायन	श्री अशोक कुमार कोरी, गुना
	बुन्देली लोकनृत्य	श्री प्रदीप कुर्मी, सागर
गुना	भजन	श्री रूपेश कुमार लाल, भोपाल
	बुन्देली लोकनृत्य	सुश्री प्रिया पाटकर, सागर
अशोकनगर	बुन्देली लोकगायन	श्री शैलेन्द्र तिवारी, भोपाल
	लोकनृत्य (ढिमरयाई)	श्री प्रताप केवट, विदिशा
दतिया	बुन्देली लोकगीत	श्री बृजभान सिंह लोधी, अशोकनगर
	लोकनृत्य (ढिमरयाई)	श्री अमर रैकवार, सागर
देवास	देशभक्ति गीत	सुश्री सुरेखा कामले, भोपाल
	कथक नृत्य	सुश्री ज्योत्सना सोहोनी, इंदौर
रतलाम	कबीर गायन	सुश्री तनु पराग, देवास
	लोकनृत्य (कांगड़ा)	श्री रविन्द्र कुमार, अशोकनगर
शाजापुर	बघेली लोकगीत	श्रीमती शीला त्रिपाठी, भोपाल
	लोकनृत्य (ढिमरयाई)	श्री हरिशंकर केवट, अशोकनगर
मंदसौर	कबीर गायन	श्री तारासिंह डोडवे, इंदौर
	बुन्देली लोकनृत्य	श्री मथुरा प्रसाद प्रजापति, भोपाल
नीमच	देशभक्ति गीत	श्री तापस कुमार गुहा, भोपाल
	लोकनृत्य	सुश्री स्नेहा गेहलोद, उज्जैन
उज्जैन	देशभक्ति गीत	श्री सुनील शुक्लवारे, भोपाल
	लोकनृत्य (मटकी)	सुश्री पूर्णिमा चौहान, इंदौर
आगर मालवा	मालवी लोकगीत	श्री रामचन्द्र गांगोलिया, उज्जैन
	लोकनृत्य (भवाई)	श्री गिरधारी लाल गेहलोत, उज्जैन
इन्दौर	भक्ति गायन	डॉ. प्रीति देओले, उज्जैन
	लोकनृत्य (मालवी)	सुश्री स्वाति उखले, उज्जैन

जिला	कार्यक्रम	कला मंडली
धार	मालवी लोकगीत	श्री बाबूलाल धौलपुरे, शाजापुर
	लोकनृत्य (भगोरिया)	श्री कृष्णा मालीवाड़, माण्डू
झाबुआ	मालवी लोकगीत	श्री दुर्गा प्रसाद, इंदौर
	मयूर नृत्य	श्री ललित ठाकुर, इंदौर
अलीराजपुर	देशभक्ति गीत	सुश्री विनिता सप्रे, इंदौर
	देशभक्ति नृत्य	सुश्री ममता डामोर, धार
खरगौन	मालवी/कबीर गायन	श्री मुकेश चौहान, इंदौर
	लोकनृत्य (कांगड़ा)	श्री विष्णु सिंह केवट, विदिशा
बड़वानी	कबीर गायन	श्री गुरुचरण दास, धार
	मालवी लोकनृत्य (मटकी)	सुश्री पलक पटवर्द्धन, उज्जैन
खण्डवा	देशभक्ति गीत	श्री दीपक तिवारी, भोपाल
	नृत्य नाटिका	सुश्री संघरत्ना बनकर, भोपाल
बुरहानपुर	निमाड़ी लोकगीत	श्री बालकृष्ण ठनगर, बड़वानी
	कथक नृत्य	डॉ. नेहा कोकरे, इंदौर
सीहोर	देशभक्ति गीत	श्री अशफाक अली, भोपाल
	लोकनृत्य (ढिमरयाई)	श्री प्रभुलाल केवट, विदिशा
रायसेन	कव्वाली	श्री दिलीप मासूम, भोपाल
	देशभक्ति नृत्यनाटिका	सुश्री सुषमा सिंह, भोपाल
राजगढ़	देशभक्ति गीत	श्री सौरभ सिंह परिहार, भोपाल
	लोकनृत्य	श्री हिम्मत गोस्वामी, रायसेन
विदिशा	देशभक्ति गीत	श्री संतोष कुमार अग्निहोत्री, इंदौर
	मयूरभंज छाउ लघु नृत्य	सुश्री निरुपा जोशी, भोपाल
बैतूल	देशभक्ति गीत	सुश्री माला उईके, भोपाल
	कथक नृत्य	डॉ. आलोक श्रीवास, भोपाल
होशंगाबाद	कवि सम्मेलन	कवि प्रेमनारायण साहू, बरेली
		श्री काशीपुरी कुंदन राजिम, देवी जैन बरेली
		सफर जौनपुरी जौनपुर, अर्चना अर्चन जबलपुर
		विजय गिरी भोपाल, कुशाली साहू बरेली
हरदा	बुन्देली लोकगीत	श्री सुमित दुबे, नरसिंहपुर
	लोकनृत्य (बधाई, नौरता)	श्री अंकित आठिया, सागर
सागर	बघेली गायन	सुश्री प्रियंका रैकवार, बीना
	लोकनृत्य (ढिमरयाई)	श्री कन्हैयालाल, रायसेन
दमोह	बुन्देली लोकगीत	श्री मनोज कुमार, गंजबासौदा
	लोकनृत्य (बधाई)	श्री केशव रैकवार, सागर
पन्ना	बुन्देली लोकगीत	सुश्री रजनी जाटव, छतरपुर
	लोकनृत्य (बधाई, आल्हा)	श्री बलिराम पटेल, दमोह
छतरपुर	बुन्देली लोकगीत	श्री फूलसिंह माण्डरे, भोपाल
	लोकनृत्य (बधाई)	श्री ऋषि टिकारिया, सागर
टीकमगढ़	बुन्देली एवं मालवी लोकगीत	श्री संजय, भोपाल
	लोकनृत्य (काँढरा, बैरागठा)	श्री रामकिशन रजक, सागर

जिला	कार्यक्रम	कला मंडली
जबलपुर	आज़ादी के तराने	श्री मोहित सोनी, भोपाल
	अखाड़ा नृत्य	श्री राजकुमार राठकवार, सागर
कटनी	देशभक्ति गीत	श्री दीपेन्द्र सिंह, पन्ना
	कथक नृत्य (रामायण)	सुश्री शालिनी खरे, जबलपुर
नरसिंहपुर	देशभक्ति गीत	श्री उत्कर्ष नरनावरे, भोपाल
	लोकनृत्य	श्री आदित्य गोस्वामी, कटनी
छिंदवाड़ा	देशभक्ति गीत	श्री माजिद लतीफ खाँ, भोपाल
	लोकनृत्य (बधाई, बरेदी)	श्री भानु लारिया, सागर
सिवनी	बुन्देली लोकगीत	श्री हेमराज, राजगढ़
	लोकनृत्य (बैगा, फाग)	श्री शिवकुमार धुर्वे, डिण्डौरी
मंडला	देशभक्ति गीत	श्री सुमित द्विवेदी, भोपाल
	लोकनृत्य (मुचौटा)	सुश्री ममता डेहरिया, सिवनी
डिण्डौरी	कबीर/मालवी लोकगायन	श्री नंदराम बारिया, धार
	लोकनृत्य	श्री गोपाल सिंह धुर्वे, डिण्डौरी
बालाघाट	कबीर/आज़ादी के तराने	श्री मोहनसिंह दिपालपुरिया, राजगढ़
	लोकनृत्य (शैला, कर्मा)	श्री फग्गन सिंह मार्को, डिण्डौरी
रीवा	देशभक्ति गीत	श्री भूरा प्रजापति, भोपाल
	लोकनृत्य	सुश्री प्रिया वर्मा, सतना
शहडोल	बघेली लोकगीत	श्री शशि कुमार पाण्डेय, रीवा
	लोकनृत्य (करमा)	सुश्री रोशनी भार्वे, डिण्डौरी
अनूपपुर	देशभक्ति गीत	सुश्री शमा खान, भोपाल
	लोकनृत्य (सैला, कर्मा)	श्री शिवचरण सिंह कुशराम, डिण्डौरी
उमरिया	देशभक्ति गीत	श्री राकेश कुरेले, जबलपुर
	लोकनृत्य (बधाई, कर्मा)	श्री इंद्र पाण्डे, जबलपुर
सीधी	बघेली लोकगीत	सुश्री रमा दुबे, भोपाल
	लोकनृत्य (गुदुमबाजा)	श्री लिखीराम धुर्वे, अनूपपुर
सतना	लोकगायन	सुश्री विभा सिंह, रीवा
	देशभक्ति लोकनृत्य	सुश्री भैरवी विश्वरूप, जबलपुर
सिंगरौली	बुन्देली लोकगीत	श्री मिठाईलाल चकवर्ती, जबलपुर
	लोकनृत्य (रसिया, गुदुमबाजा)	श्री चंदकांत पाण्डेय, सिंगरौली
निवाड़ी	कबीर गायन/आज़ादी के तराने	श्री अनिल जाटव, गुना
	लोकनृत्य (ढिमरयाई)	श्री हीरालाल रैकवार, टीकमगढ़
मैहर	बुन्देली लोकगीत	श्री गोविन्द सिंह यादव, विदिशा
	लोकनृत्य (बधाई, कर्मा)	श्री छिद्दी लाल, जबलपुर
मऊगंज	विरहा लोकगीत	श्री अशोक पाण्डेय, सिंगरौली
	लोकनृत्य (गुदुमबाजा)	श्री महेन्द्र कुमार, सिंगरौली
पांढुरना	देशभक्ति गीत	डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, जबलपुर
	बुन्देली लोकनृत्य	सुश्री काजल चकवर्ती, जबलपुर

"हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान"

भारत पर्व अवसर पर सभी जिला मुख्यालयों में चित्र प्रदर्शनी "संविधान निर्माण में मध्यप्रदेश की भूमिका"

सभी सादर आमंत्रित हैं / प्रवेश निःशुल्क

D-11168/24

स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन, जिला प्रशासन एवं जनसम्पर्क संचालनालय का गौरव आयोजन

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022